दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 152 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

गुरूवार 04 सितंबर 2025 डाक-शुक्रवार 05 सितंबर 2025

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद

अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733

प्रथमेश

ब्रिटेन में तेलंगाना के दो छात्रों की मौत, दो कारों की टक्कर में पांच गंभीर रूप से घायल

ब्रिटेन ,04 सितंबर (एजेंसी)।दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के एसेक्स में एक गोल चक्कर पर दो कारों की टक्कर में तेलंगाना के दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना सोमवार तड़के रेले स्पर गोल चक्कर पर हुई। दुर्घटना में चैतन्य तार्रे (23) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 21 वर्षीय ऋषि तेजा रपोलू ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एसेक्स पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय कार चला रहे पूर्वी लंदन के दो पुरुषों को खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था और बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। एसेक्स पुलिस ने एक बयान में कहा, दुख की बात है कि एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे की अस्पताल में मौत हो गई। अधिकारी उनके परिवारों की सहायता कर रहे हैं। पांच अन्य लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया है। बयान के अनुसार, दोनों कारों के चालकों को खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के कारण मौत और गंभीर चोट पहुंचाने के संदेह में गिरफ्तार किया गया। दोनों को 20 नवंबर तक जमानत पर रिहा कर दिया गया है। मामले में जांच जारी है।

पीएम मोदी को गाली मामले में बीजेपी का हल्ला-बोल बिहार में सड़कों पर उतरे मंत्री, विधायक व कार्यकर्ता

पटना,04 सितंबर (एजेंसी)। महागठबंधन के मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी मां को विरुद्ध अभद्र भाषा विवाद को लेकर गुरुवार को एनडीए की मातृशक्ति ने बिहार बंद का आह्वान किया है। आपात कालीन सेवा को बंद से मुक्त रखा गया है।

प्रदेशव्यापी बिहार बंद में भाजपा, जदयू, लोजपा(रा), हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) एवं रालोमो (राष्ट्रीय लोक मोर्चा) की नेत्रियां सड़क उतरेंगी। बिहार बंद समर्थकों ने सुबह सात से 12 बजे तक बंद की घोषणा की है। बंद से रेल सेवा को भी मुक्त रखा गया है।

एनडीए नेत्रियों का आरोप है कि घटना बिहार को कलंकित करने वाली है। मां भगवान की प्रतिमूर्ति होती है। मां अपनी कोख में नौ महीने बच्चे को रखती है। फिर कैसे किसी राजनीतिक मंच से मां

को भद्दी भद्दी गालियां दी जा सकती हैं? जो हमें भगवान की तरह पाल-पोस कर बड़ा करती हैं, क्या कोई उसी मां को गाली देने के विषय में सोच सकता है?

दरंभगा की इस घटना ने विश्व में शर्मसार किया। एनडीए ने स्पष्ट किया है कि बंद का उद्देश्य इस घटना का प्रतिकार करना है। बिहार की राजनीति में संभवतः पहली बार एनडीए महिलाओं मोर्चा बंद कार्यक्रम में अपनी अहम भूमिका निभाएगी।

महिलाओं का आरोप है कि पीएम मोदी एवं उनकी मां पर अमर्यादित टिप्पणी लोकतांत्रिक परंपरा का भी अपमान है। महागठबंधन की ओर से अब तक इस घटना को लेकर माफी नहीं मांगी गई है। यह उनके अहंकार का परिणाम है।

बंद का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष धर्मशीला गुप्ता, जदयू की महिला मोर्चा की अध्यक्ष भारती मेहता लोजपा(रा) महिला मोर्चा की शोभा सिन्हा, रालोमो की स्मृति कुशवाहा एवं हम की हम की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष स्मिता शर्मा करेंगी।

बेगूसराय में एनएच 31 जाम–एनडीए का बिहार बंद को लेकर बलिया स्टेशन चौक पर एनएच 31 जाम कर आवाज बुलंद करते कार्यकर्ता, मौके पर सीओ रवि कुमार अपनी ड्यूटी पर तैनात।

जमुई में सड़क जाम कर विरोध–राजग का बिहार बंद को लेकर मुख्यालय के कचहरी चौक पर सड़क जाम कर विरोध जताते कार्यकर्ता। मोदी जी की मां का अपमान नहीं सहेंगे के नारे लगाए जा रहे।

बेगूसराय में बंद का व्यापक असर–बंद को सफल बनाने में खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता, जदयू विधायक राजकुमार सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष व कार्यकर्ता हर-हर महादेव के नारे लगाते हुए सड़क पर उतरकर यातायात परिचालन बंद कराया।

झारखंड में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, दो जवान शहीद, एक घायल

पलामू ,04 सितंबर (एजेंसी)। झारखंड के पलामू जिले में पुलिस और प्रतिबंधित संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के नक्सलियों के बीच बुधवार की देर रात हुई मुठभेड़ में दो जवान शहीद हो गए, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना मनातू थाना क्षेत्र के केदल जंगल में रात लगभग एक से डेढ़ बजे के बीच हुई। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने मुठभेड़ और शहादत की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि टीएसपीसी का 10 लाख का इनामी जोनल कमांडर शशिकांत गंझू करमा पर्व पर अपने गांव केदल पहुंच सकता है।

इसी आधार पर पुलिस ने विशेष सर्च अभियान चलाया। जैसे ही पुलिस टीम गांव के करीब पहुंची, नक्सलियों को इसकी भनक लग गई। शशिकांत गंझू और उसके दस्ते ने अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी के दौरान तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। सभी को तुरंत डालटनगंज स्थित मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो जवानों को मृत घोषित कर दिया। शहीद जवानों की पहचान संतन कुमार और सुनील राम के रूप में की गई है। इनमें से एक जवान पलामू एएसपी का अंगरक्षक था। घायल जवान का इलाज जारी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। यह इलाका लंबे समय से टीएसपीसी का गढ़ माना जाता है। शशिकांत गंझू इसी क्षेत्र से पलामू और चतरा जिलों में संगठन की गतिविधियों को नियंत्रित करता रहा है। झारखंड सरकार ने उस पर दस लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शशिकांत और उसके दस्ते की इलाके में सक्रियता की लगातार सूचना मिल रही थी, जिसके बाद अभियान चलाया गया।

सुकमा में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में विस्फोटक के साथ पांच नक्सली गिरफ्तार, एक पर था 1 लाख का इनाम

सुकमा ,04 सितंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। यह कार्रवाई 2 सितंबर को चिंतलनार थाना क्षेत्र के रावगुड़ा, किस्टावरम और आसपास के जंगलों में की गई। गिरफ्तार नक्सलियों में से एक पर 1 लाख रुपए का इनाम था। अन्य नक्सली मिलिशिया और डीएकेएमएस के सदस्य हैं। इनके कब्जे से 20 पटाखे, 10 जिलेटिन रॉड, 10 नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 10 मीटर कोर्डेक्स वायर, इलेक्ट्रॉनिक मैग्नेट, बैटरी, चार्जर और अन्य सामग्री बरामद की गई। पूछताछ में नक्सलियों ने कबूल किया कि उन्होंने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए विस्फोटक रखे थे। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर शुरू की गई। चिंतलनार थाना प्रभारी उपनिरीक्षक विमल वट्टी, सीआरपीएफ की 74, 131 और 223 वाहिनी के जवानों, रेंज फील्ड टीम (आरएफटी) कोंटा और सीआरपीएफ के अधिकारियों निशांत वैष्णव और सुमन सौरभ की अगुवाई में संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया।

रावगुड़ा के जंगल और नाले के पास नक्सलियों को पकड़ा गया। इस ऑपरेशन में 131 वाहिनी सीआरपीएफ की खुफिया शाखा की भूमिका अहम रही।

पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ चिंतलनार थाने में अपराध क्रमांक 07/2025 के तहत विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया।

बीएसएफ ने सैनिकों को प्रशिक्षित करने के लिए शुरू किया ड्रोन युद्ध स्कूल, ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशनों में होंगे तैनात

नई दिल्ली,04 सितंबर (एजेंसी)। पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगती भारत की सीमाओं की रक्षा का दायित्व संभाल रहा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) आधुनिक युद्ध कौशल के लिए अपनी विशेष यूनिट ड्रोन कमांडो और ड्रोन योद्धाओं को रिमोट संचालित एरियल प्लेटफार्म सहित विभिन्न प्रशिक्षण दे रहा है ताकि उन्हें ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशनों में तैनात किया जा सके। ऑपरेशन सिंदूर में ड्रोन ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने मंगलवार को मध्यप्रदेश के टेकनपुर में बल की अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में ड्रोन युद्ध स्कूल का उद्घाटन किया।

बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि ड्रोन युद्ध स्कूल, बल के सीमा प्रहरियों को आधुनिक सामरिक चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि यह संस्थान पांच विशेष पाठ्यक्रमों के माध्यम से ड्रोन कमांडो और ड्रोन योद्धाओं को तैयार करेगा, जिनमें मानव रहित यान (यूएवी) संचालन, ड्रोन-विरोधी युद्ध और निगरानी एवं खुफिया जानकारी एकत्र करना शामिल है। इस स्कूल में सिमुलेटर और लाइव ड्रोन फ्लाइंग जोन, यूएवी और पेलोड एकीकरण की सुविधाएं, रात्रि संचालन की सुविधाएं, रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) जैमर और काइनेटिक इंटरसेप्टर के लिए उपकरण, लिंक्ड हार्डवेयर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) उपकरण होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि स्कूल के उद्घाटन के बाद, बीएसएफ महानिदेशक ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया और तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में बात की, जिसमें ड्रोन ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महानिदेशक ने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ भारत द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर से रणनीतिक सीख ली है।

पाकिस्तान में विस्फोट, 13 लोगों की मौत, 31 घायल

इस्लामाबाद,04 सितंबर (एजेंसी)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान सूबे में मंगलवार को हुए एक जोरदार धमाके में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और अन्य 31 घायल हो गए। सूबे के स्वास्थ्य मंत्रालय प्रवक्ता वसीम बेग ने हताहतों की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि घायलों में कई की हालत गंभीर बनी हुई है। ये विस्फोट सूबे की राजधानी क्वेटा के शाहवानी स्टेडियम इलाके में एक राजनीतिक सम्मेलन के पास हुआ। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, यह विस्फोट एक आत्मघाती बम विस्फोट प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि घटना की वजह और हमले के दोषियों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। हमले के बाद, कानून प्रवर्तन एजेंसियां और बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

बाढ़ से बचाने के लिए लगाए गए टेंट में भी घुसा पानी, नदी में जलस्तर ने तोड़ा 2013 का रिकॉर्ड

नई दिल्ली ,04 सितंबर (एजेंसी)। दिल्ली वालों को यमुना की लहरें डरा रही हैं। यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने से दिल्ली में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। बुधवार शाम तक जलस्तर 207.33 मीटर तक पहुंच गया, जो 2013 के रिकॉर्ड स्तर को पार कर चुका है। बढ़ते पानी का असर अब राहत शिविरों पर भी दिखने लगा है। बाढ़ से बचाने के लिए लगाए गए टेंट में भी यमुना का पानी घुस गया है। 1963 के बाद से यह पांचवीं बार है, जब यमुना ने 207 मीटर के निशान को पार किया है। दिल्ली के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए सडक़ें नदियां और बाजार तालाब बन गए हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर 340 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले हुई हैं। अब तक 12 हजार लोग घर छोडक़र सुरक्षित जगहों पर जा चुके हैं। यमुना नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर से जान और सामान बचाने के लिए लोग सुरक्षित जगहों की ओर भाग रहे हैं। मजनू का टीला में दुकानदारों से लेकर मदनपुर खादर

और बदरपुर में रहने वाले परिवार अब अस्थायी शेल्टरों में रह रहे हैं। दिल्ली में यमुना का उच्चतम जलस्तर 13 जुलाई 2023 को 208.66 मीटर दर्ज किया गया था।

उधर हरियाणा में भी भारी बारिश और बाढ़ से हालात बिगड़े हैं। राज्य में प्रशासन ने अलर्ट जारी कर रखा है। हरियाणा में झज्जर, हिसार, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला के कई हिस्सों में तीन से पांच फुट तक पानी भरा है। यहां के 200 से ज्यादा स्कूल बंद हैं। अंबाला के सैकड़ों घरों में दो से चार फुट पानी भरा हुआ है। हथिनीकुंड बैराज से 67 घंटे से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। यूपी के गाजियाबाद में सडक़ों पर घुटनों तक पानी भर गया। कारें आधी डूब गईं। 7 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। कई जगह एक मंजिल तक घर डूब गए हैं। नोएडा में बुधवार दोपहर अंधेरा छा गया।

कश्मीर में मंगलवार रात से जारी मूसलाधार बारिश की वजह से जनजीवन पटरी से उतर गया है। बारिश मंगलवार शाम से शुरू हुई और रात भर जारी रही। तेज बारिश ने दक्षिण और मध्य कश्मीर के कई इलाकों को जलमग्न कर दिया, जिससे झेलम नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। उधमपुर जिले में लैंडस्लाइड के कारण जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाई-वे को बंद करना पड़ा। इसके बाद कश्मीर घाटी से संपर्क टूट गया है। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर में शेषनाग नाला और लिद्दर नाला पहले ही बाढ़ के खतरे के निशान को पार कर चुके हैं, जबकि झेलम अभी भी अपने खतरे के निशान से नीचे बह रही है।

वाह वाह

पति- ना कजरे की धार ना मोतियों के हार ना कोई किया श्रृंगार

फिर भी कितनी सुंदर हो, तुम कितनी सुंदर हो

पत्नी- सीधे-सीधे बोलो न कि ब्यूटी पार्लर के लिए पैसे नहीं दोगे.....

पत्नी- मैं कैसी लग रही हूं?

पति- जान ही लेनी थी, तो मांग लेती पगली

यूं बिना मेकअप के आने की क्या जरुरत थी.....

ट्रेन से आईटीबीपी जवानों का पिट्ठू बैग चोरी, सर्विस रिवाल्वर से साथ रखे थे 24 जिंदा कारतूस

बिलासपुर,04 सितंबर (एजेंसी)। हटिया-दुर्ग एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस के एएसआई और हेड कॉन्स्टेबल का पिट्ठू बैग चोरी हो गया. बैग में सर्विस रिवाल्वर, 4 मैगजीन, 24 जिंदा कारतूस और मोबाइल के साथ 10 हजार रुपए कैश रखा हुआ था. बुधवार तड़के हुई घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे और जीआरपी में हड़कंप मच गया.

जानकारी के मुताबिक, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस रांची 40वीं बटालियन में एएसआई योगेन्द्र प्रसाद ओझा, प्रधान आरक्षक टेलीकाम जितेन्द्र सिंह और आरक्षक बुद्धदेव मलिक पदस्थ हैं. तीनों हटिया स्टेशन से हटिया-दुर्ग ट्रेन से दुर्ग के लिए रवाना हुए. रिजर्वेशन नहीं होने की वजह से तीनों जनरल कोच से सफर कर रहे थे.

यात्रा के दौरान एएसआई व प्रधान आरक्षक पिट्ठू बैग में अपना सर्विस पिस्टल, चार मैग्जीन, 24 जिंदा कारतूस, एक मोबाइल व 10 हजार रुपए नकद रख हुए थे.

यात्रा के दौरान जवानों की रात 3 बजे चांपा स्टेशन पर आंख लग गई. सुबह 5.50 बजे भाटापारा स्टेशन पर उनकी नींद खुली तो बैग गायब था. ओझा ने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी. इस पर

ओझा ने बताया कि वह बिलासपुर आ रहे हैं. इस पर उनके पहुंचने का इंतजार किया गया. जब वह पहुंच गए, तब तीनों स्टाफ ने जीआरपी को इस घटना की जानकारी दी.

जानकारी मिलते ही आरपीएफ, जीआरपी व आरपीएफ की क्राइम ब्रांच टीम पड़ताल में जुट गई. चांपा से लेकर भाटापारा तक सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, लेकिन कोई संदिग्ध फुटेज नहीं मिला. वहीं जीआरपी और आरपीएफ जांच के दौरान बिलासपुर में स्टेशन चौक से तितली चौक के बीच झाड़ियों में जवानों के दस्तावेज और कपड़े बरामद हुए. बैग और हथियार का अब तक कोई सुराग नहीं है. भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के तीनों स्टाफ की डोंगरगढ़ में ड्यूटी थी. वह ड्यूटी ज्वाइन करने के लिए हटिया से दुर्ग स्टेशन तक यात्रा कर रहे थे. दुर्ग स्टेशन से किसी तरह ट्रेन से डोंगरगढ़ तक जाने की योजना थी. लेकिन, उससे पहले इतनी बड़ी घटना हो गई.

रायपुर, दुर्ग संभाग में भारी वर्षा की चेतावनी

रायपुर । मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि रायपुर और दुर्ग संभाग में आगामी 24 घंटे में भारी वर्षा होने का पूर्वानुमान है। वहीं बिलासपुर एवं बस्तर संभाग में भी अच्छी वर्षा होगी। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चन्द्रा ने बताया कि कम दबाव का क्षेत्र तथा द्रोणिका दक्षिणी क्षेत्र में सक्रिय होने के कारण फिलहाल अच्छी वर्षा हो रही है। उन्होंने बताया कि उत्तरी छत्तीसगढ़ में अपेक्षाकृत कम वर्षा होगी। इधर अगले 24 घंटो में कोण्डागांव, कांकेर, नारायणपुर, रायपुर, सक्ती और सारंगढ़-बिलाईगढ़ में भारी बारिश होने की संभावना है।

नाबालिग से गैंगरेप, पुलिस ने तुरंत लिया एक्शन, एक अपचारी सहित चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

अंबिकापुर,04 सितंबर (एजेंसी)। जिले के बतौली थाना क्षेत्र अंतर्गत नाबालिग से गैंगरेप का मामला सामने आया है. मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए एक अपचारी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

जानकारी के अनुसार नाबालिग से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने आरोपी विलसन खेश पिता भीम साय, कुनाल केरकेट्टा पिता राम खेलावन बेलकोटा और संजय खेश पिता दिलिप खेश सहित एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है. सभी आरोपी बेलकोटा रहने वाले हैं. तीनों आरोपियों को जहां जेल भेजा गया है, वहीं अपचारी बालक को बाल सुधार गृह में दाखिल किया गया.

अमृत सरोवरों को ग्रामीणों की आजीविका संवर्धन के साधन बनाएं – सीईओ

मनरेगा, पीएम आवास, एनआरएलएम सहित योजनाओं की हुई समीक्षा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नाग ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन,स्वच्छ भारत मिशन, डी एम एफ के कार्य सहित अन्य योजनाओं की गहन समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने कहा कि जिले में निर्मित अमृत सरोवरों को ग्रामीणों की आजीविका संवर्धन का सशक्त साधन बनाया जाए। ग्रामीणों को मत्स्य पालन हेतु प्रेरित किया जाए तथा मत्स्य विभाग के सहयोग से सरोवरों में मत्स्य बीज डाला जाए। साथ ही सरोवरों के तट व मेढ़ पर दलहन फसल लगाकर अतिरिक्त आय का मार्ग प्रशस्त किया जाए। सीईओ ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत सभी अधूरे आवासों को प्राथमिकता से पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने जनपद पंचायत के सीईओ और एसडीओ को निर्देश दिए कि ग्राम सचिवों एवं आवास मित्रों की नियमित समीक्षा करें तथा मैदानी अमला सतत ग्राम भ्रमण कर हितग्राहियों को समय पर आवास पूर्ण करने हेतु प्रेरित करें।सीईओ ने वित्तीय वर्ष 2025- 26 में खनिज न्यास संस्थान मद से स्वीकृत स्कूल, आंगनवाड़ी भवन, पीडीएस गोदाम के निर्माण कार्य 15 सितंबर तक हर हाल में प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मनरेगा कार्यों में पारदर्शिता एवं जन-सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए तैयार किए जा रहे क्यूआर कोड शीघ्र ही सभी ग्राम पंचायत भवनों में चस्पा किए जाएं। इसके साथ ही युक्तधारा पोर्टल पर लक्ष्य अनुसार कार्य स्वीकृति, लंबित सामाजिक अंके क्षण प्रकरणों का निराकरण एवं वसूली शीघ्र पूर्ण की जाए।

सीईओ ने सभी जनपद पंचायतों को एनआरएम एवं एग्रीकल्चर श्रेणी के कार्यों में निर्धारित प्रतिशत व्यय सुनिश्चित करने, ईएमबी के माध्यम से कार्य मूल्यांकन- सत्यापन समय सीमा में पूर्ण करने तथा एरिया ऑफिसर एप में आवास व मनरेगा कार्यों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य 2 अक्टूबर 2025 तक हर हाल में पूर्ण किए जाएं। समीक्षा बैठक में प्रभारी उप संचालक पंचायत, सहायक परियोजना अधिकारी, ईई आरईएस, एसडीओ आरईएस, सीईओ जनपद पंचायत, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, महात्मा गांधी नरेगा के जिला एवं जनपद पंचायत के अधिकारी,कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

उपेक्षा का शिकार बालको का आजाद चौक

साफ सफाई, रख-रखाव और सौंदर्यीकरण की स्थिति बेहद खराब

कोरबा (छ.ग.गौरव)। आज़ादी के अमर सेनानी शहीद चंद्रशेखर आज़ाद के नाम पर 8 सितम्बर 2009 को जिस चौक का नामकरण आज़ाद चौक किया गया था, वह आज उपेक्षा और बदहाली का शिकार बना हुआ है। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह, गृहमंत्री ननकीराम कंवर,मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, महापौर लखनलाल देवांगन, विधायक जयसिंह अग्रवाल और सभापति अशोक चावलानी की उपस्थिति में जिस प्रतिमा का अनावरण हुआ था,वही प्रतिमा आज जर्जर हालत में खड़ी है। प्रतिमा और चौक की स्थिति ऐसी है कि स्थानीय नागरिकों को भी शायद ही पता हो कि यह स्थान आज़ाद चौक कहलाता है। उद्घाटन के समय की चमक-धमक के बाद नगर निगम के अधिकारियों ने मानो यहां कदम ही नहीं रखा। सफाई, रख-रखाव और सौंदर्यीकरण की स्थिति बेहद खराब है। इस चौक की दुर्दशा का वीडियो जारी करते हुए सवाल उठाया गया है। यह उपेक्षा सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि शहीद का अपमान है। इस मामले की शिकायत को जन शिकायत निवारण विभाग में भी ऑनलाइन दर्ज कराया गया है।

स्वच्छता का नया मॉडल, सीएमओ-अध्यक्ष ने ली ट्रेनिंग

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दीपका नगर पालिका के अध्यक्ष राजेन्द्र राजपूत और मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) राजेश गुप्ता ने गुजरात के सूरत में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। यह कार्यशाला ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के सफल मॉडल का अध्ययन और अवलोकन करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के स्थानीय निकायों को शामिल किया गया था।

कार्यशाला में प्रतिनिधियों को सूरत की उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली, स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, बायोमाइनिंग, वेस्ट टू वेल्थ परियोजनाएं, रिसायकल केंद्रों और जीपीएस आधारित निगरानी व्यवस्था की जानकारी दी गई। नगर पालिका प्रतिनिधियों ने इन सभी प्रणालियों का अवलोकन किया और उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया को समझा। नगर पालिका अध्यक्ष राजेन्द्र राजपूत ने बताया कि सूरत नगर निगम द्वारा अपनाई गई स्वच्छता प्रणाली अत्यंत प्रेरणादायक है और दीपका में भी इसे लागू करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। सीएमओ राजेश गुप्ता ने कहा कि सूरत जैसे शहर से सीख लेकर दीपका को भी स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बनाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने संकल्प जताया कि दीपका को साफ-सुथरा और सुनियोजित बनाने हेतु नवाचारों को अमल में लाया जाएगा।

शासकीय डॉक्टरों के निजी प्रैक्टिस नहीं लग पा रही रोक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शासकीय डॉक्टरों के निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने में कोरबा मेडिकल कॉलेज का प्रशासन भी नाकाम रहा है। सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं इतनी लचर है कि अस्पतालों से मरीजों का भरोसा टूट रहा है। इसे तोड़ने में वे डॉक्टर पीछे नहीं हैं, जो पर्दे के पीछे रहकर कोरबा और अन्य उप नगरीय इलाकों में निजी अस्पताल चला रहे हैं।

कोरबा, कटघोरा और पाली में आधा दर्जन से अधिक सरकारी डॉक्टर पर्दे के पीछे से निजी अस्पताल चला रहा है। पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधिकांश डॉक्टर अपने घरों में क्लीनिक चला रहे हैं। सरकार से मोटी तनख्वाह लेने के बाद भी निजी प्रैक्टिस से मोह भंग नहीं हो रहा है। इसका सीधा असर सरकारी अस्पतालों पर पड़ रहा है। गरीब मरीजों को सरकारी अस्पतालों में इलाज नहीं मिल रहा है। डॉक्टर निजी अस्पताल या क्लीनिक के संचालन पर ज्यादा जोर दे रहे हैं। मरीज और उनके परिजन परेशान हैं। निजी अस्पतालों तक का चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग अपने डॉक्टरों पर कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। विभाग के अफसर खुद को लाचार बता रहे हैं। ज्यादा दिन नहीं हुए जब रिसदी के पास स्थित श्वेता हॉस्पिटल में प्रसव कराने पहुंची महिला की तबीयत खराब हो गई थी। महिला ने दम तोड़ दिया था। घटना से नाराज परिवार ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया था। उस समय खुलासा हुआ था कि जिस डॉक्टर ने गर्भवती महिला की सिजेरियन डिलीवरी कराई थी, वह कोरबा मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर है। परिवार ने सिजेरियन डिलीवरी कराने वाली डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग की थी। उनके लाइसेंस को निरस्त करने की मांग किया था। जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग ने 15 दिन के लिए श्वेता हॉस्पिटल के लाइसेंस को कुछ दिन के लिए निलंबित कर दिया था। लेकिन डॉक्टर पर कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे ही कोरबा मेडिकल कॉलेज में कई डॉक्टर हैं, जो अलग- अगल अस्पतालों में निजी प्रैक्टिस कर रहे हैं। निजी प्रैक्टिस के इस खेल में कटघोरा और पाली के सरकारी अस्पतालों में पदस्थ डॉक्टर भी पीछे नहीं है। कटघोरा में महिला सरकारी डॉक्टर के पति निजी अस्पताल संचालित करते हैं। दो दिन पहले ही सर्पदंश के शिकार एक महिला को यहां इलाज नहीं मिला था, तब परिवार ने आरोप लगाया कि ड्यूटी डॉक्टर अस्पताल से नदारद थे। नर्स इलाज कर रही थी। मरीज की जान बचाने के लिए परिवार के लोग उसे गोद में उठाकर कटघोरा के सरकारी अस्पताल से बाहर ले गए थे।

एसबीआई में वेतन खाते रखने वाले रेलवे कर्मचारियों को को मिलेगा 1 करोड़ बीमा कवरेज

उन्नत बीमा लाभ प्रदान करने समझौता ज्ञापन पर किए गए हस्ताक्षर

कोरबा। भारतीय रेलवे (आईआर) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समारोह में रेल, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार और एसबीआई के अध्यक्ष सी.एस. शेट्टी की गरिमामयी मौजूदगी रही।

समझौता ज्ञापन के तहत एसबीआई में वेतन खाते रखने वाले रेलवे कर्मचारियों के लिए बीमा कवरेज में खासी वृद्धि की गई है। आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में बीमा लाभ को बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है, जबकि सीजीईजीआईएस के तहत आने वाले समूह ए, बी और सी के कर्मचारियों के लिए वर्तमान कवरेज क्रमशः 1.20 लाख रुपए, 60,000 रुपए और 30,000 रुपए है। इसके अलावा, एसबीआई में केवल वेतन खाता रखने वाले सभी रेलवे कर्मचारी, अब बिना किसी प्रीमियम का भुगतान किए या किसी मेडिकल जांच के 10 लाख रुपए के प्राकृतिक मृत्यु बीमा कवरेज के पात्र होंगे। करीब 7 लाख रेलवे कर्मचारियों के एसबीआई में वेतन खाते होने के कारण, यह समझौता कर्मचारी कल्याण की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय रेलवे और एसबीआई के बीच एक संवेदनशील और मानवीय साझेदारी को दर्शाता है। इस समझौता ज्ञापन के तहत कुछ प्रमुख पूरक बीमा कवर में शामिल हैं। 1.60 करोड़ रुपए का हवाई दुर्घटना बीमा (मृत्यु) कवर और रुपे डेबिट कार्ड पर 1 करोड़ रुपए तक का अतिरिक्त कवर, 1करोड़ रुपए का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी पूर्ण विकलांगता) कवर और 80 लाख रुपए तक का व्यक्तिगत दुर्घटना (स्थायी आंशिक विकलांगता) कवर शामिल है। दो प्रमुख संस्थाओं के बीच यह समझौता ज्ञापन कर्मचारी-केंद्रित, मानवीय भावनाओं के अनुकूल है और खासकर ग्रुप सी और अन्य अग्रिम पंक्ति के रेलवे कर्मियों को विशेष लाभ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कोयला कर्मियों के बोनस को लेकर बैठक 22 को

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोल इंडिया एवं अनुषंगी कंपनियों में बोनस भुगतान को लेकर उत्सुकता बढ़ने लगी है। 22 सितंबर को नवरात्र शुरू हो रहा है। बोनस पर निर्णय के लिए इसी दिन दिल्ली में कोल इंडिया मानकीकरण समिति की बैठक होगी। बोनस की बैठक की तिथि पहले से 23 सितंबर तय थी। अब 22 सितंबर को ही बैठक होगी। कयास बोनस की राशि को लेकर लगाया जा रहा है। पिछले एक दशक में कोल इंडिया में बोनस भुगतान के ट्रेंड पर नजर डालें तो हर साल औसतन पांच हजार रुपए से अधिक की वृद्धि हुई है।पिछले साल कोयला कर्मियों को 93,750 रुपए बोनस मिला था। यानी इस साल औसत वृद्धि होने पर भी 98 हजार से अधिक बोनस भुगतान संभव है। बात करने पर ट्रेड यूनियन नेताओं ने कहा कि इस बार कोलकर्मियों को दुर्गापूजा के अवसर पर मिलने वाला सालाना बोनस पिछले साल की तुलना में ज्यादा मिलना तय है। मालूम हो कि हर साल बोनस का फैसला जेबीसीसीआई मानकीकरण समिति की बैठक में ही होता आया है। जेबीसीसीआई मानकीकरण समिति की बैठक 22 सितंबर को दिल्ली में कोल इंडिया प्रबंधन ने रखी है। इस बैठक में बोनस पर मुहर लगनी तय है।

दशहरा उत्सव समिति मुड़ापार के राजेन्द्र पुनः अध्यक्ष

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बुधवार को दशहरा उत्सव समिति मुड़ापार की वार्षिक बैठक सामुदायिक भवन रामलीला मैदान मुड़ापार में आहुत की गई। जिसमें दशहरा उत्सव समित के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं वार्डवासी उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कार्यकारणी पूर्व में थी वह यथावत रहेगी। दशहरा उत्सव समित के 51 वें वर्ष में राजेन्द्र सिंह राजपूत को पुनः समिति के अध्यक्ष पद का निर्वाह करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। श्री राजपूत की अध्यक्षता में भव्य गरबा व रावण दहन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द कार्यकारणी का गठन कर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

कटघोरा अस्पताल में डॉक्टर नदारद, नर्स ने संभाली जिम्मेदारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा में रविवार देर रात अव्यवस्था का बड़ा मामला सामने आया। मौलिनभांठा निवासी 55 वर्षीय अनिता श्रीवास को जहरीले सांप ने काट लिया था। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टर न मिलने से स्थिति बिगड़ गई। करीब एक घंटे तक परिजन और स्थानीय लोग डॉक्टर का इंतजार करते रहे।

इस बीच महिला की हालत नाजुक होती गई। मजबूरी में नर्सिंग स्टाफ ने इलाज शुरू किया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। सूचना के बाद भी बीएमओ मौके पर नहीं पहुंचे। अंततः महिला को गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल रेफर करना पड़ा।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी बी.एन. केसरी ने मामले पर सफाई देते हुए कहा कि एक डॉक्टर छुट्टी पर था, दूसरा शिविर में गया था और तीसरा डॉक्टर ओपीडी में व्यस्त था। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों के लिए आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज किसी नए वाहन को खरीदने की इच्छा पूरी होगी, जिससे घर में उत्साह का माहौल बना रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ बैठकर किसी मुद्दे को सुलझाने में सफल रहेंगें। आज आप अपने बिजनेस में कुछ नए उपकरणों को शामिल करेंगे, तो आपको अच्छा लाभ अवश्य मिलेगा।

वृषभ राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल बना रहेगा। आज आपकी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर आपको खुशी होगी। इस राशि के विदेश जाने की इच्छा रख रहे व्यक्तियों को अच्छा मौका मिल सकता है, आपकी फैमली आपको पूरा सपोर्ट करेगी।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आप अपने काम को बेहतर तरीके से पूरा करेंगें, जिससे आपके काम की तारीफ होगी। आज आप थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे, आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज शाम को आप माता जी से भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे, आपको माता जी का साथ मिलने से खुशी होगी।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज किसी की मदद से आपके सरकारी कार्य बनेंगें। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। आज आपके नए व्यक्तियों के साथ सम्पर्क बनेगें, जो आपके व्यापार के लिए लाभदायक साबित होंगें।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप अपने कारोबार को आगे बढ़ाने का विचार कर सकतें हैं। आज आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे। इस राशि के जो छात्र घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वो आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। आज आप परिवार के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कुछ समय बिताएंगे जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए आनंदायक रहने वाला है 7 आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना बन रही है, आपके किसी काम से बॉस आपसे खुश रहेंगें। आज आपके कॉलेज का मित्र आपसे मिलने आएगा, जिससे मिलकर आपकी पुरानी यादें ताजा होंगी। आज आपके द्वारा किये गए निवेश में आपको अच्छा धन लाभ होगा।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप बिजनेस में अच्छा धन लाभ कमायेंगें, जिससे आपको खुशी मिलेगी7 आज आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आज आप अपने खर्चों को नियंत्रित करें, जिससे आपको धन संचय करने में आसानी रहे। आज आपको किसी व्यक्ति से जीवन का अहम् सबक सीखने को मिलेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज रोजगार में आपके लिए नए रास्ते खुलेंगें, जिनका लाभ लेकर आप अपनी मंजिल तक पहुँच सकतें हैं। आज ऑफिस में आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग आपकी सहायता करेंगें। आज पिता का आशिर्वाद आप पर बना रहेगा और अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखेंगें, तो इससे आपके काम जल्दी निपट जायेंगें। आज आप किसी काम को करने में सफल रहेंगें, जिससे आपको तारीफ मिलेगी। आज आप अपनी भावनाओं को कण्ट्रोल में रखें और बेवजह की चीजों में उलझने से बचें।

मकर राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज पेंडिंग पड़े कार्यों को पूरा करने का दिन है, इसलिए आप दिन भर का शेड्यूल तैयार कर लें। आज आपका मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है, आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ मिलकर किसी कारोबार की शुरुआत कर सकते हैं। आज आपको संतान से खुशखबरी प्राप्त होगी, ये उनके करियर को लेकर भी हो सकती है। इस राशि की जो महिलाएं बिजनेस कर रही हैं उनका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा, लेकिन शाम का समय अपनी फैमिली के साथ बिताएंगी, जिससे आपको खुशी मिलेगी।

मीन राशि: आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज व्यापारिक से दृष्टि आपका दिन अच्छा है, आज आप बड़ा धन लाभ कमायेंगें। सेहत के लिहाज से आज आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े व्यक्तियों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छ.ग.)

मुख्य कार्यालय - साकेत भवन, आई.टी.आई. चौक, कोरबा (छ.ग.)

जल प्रदाय शाखा

फा.क्र/1474 एवं 1475/जल प्रदाय /2025/ कोरबा, दिनांक 20.08.2025

निविदा आमंत्रण की सूचना

लोक निर्माण विभाग से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक PHE SOR 01.06.2020 Amendment 7-2022-23 से प्रभावशील दर अनुसूची पर (निविदा खुलने के दिनांक तक समस्त संशोधनों के साथ) कम अधिक या समान दरों पर तथा शेड्युल अनुसार आयटम दरों पर निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा वेबसाईट से डाउनलोड कर त्रि-लिफाफा पद्धति माध्यम से आमंत्रित की जाती है -

1. निर्धारित प्रारूप में निविदा प्रपत्र प्राप्त होने अंतिम तिथि -18.09.2025 सायंकाल 3:00 बजे तक
2. निविदा खुलने की अंतिम तिथि -18.09.2025 सायंकाल 4:30 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि रू. में
1	सुनालिया ब्रिज के नीचे पुराने क्षतिग्रस्त 300 एम.एम. व्यास के एम.एस. पाईप लाईन बदलने का कार्य। (ग्रीष्मकालीन पेयजल संकट निवारण)	6,63,630/-	5,000/-
2	दरींखार उच्च जलागार में 700 एम.एम.व्यास के एम.एम. पाईप राईजिंग मेन पाईप लाईन का मरम्मत कार्य। (मरम्मत एवं संधारण मद)	2,98,700/-	3,000/-

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट Website: www. korhamunicipal.in एवं www. uad.cg.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम
कोरबा (छत्तीसगढ़)

बिहार के सारण जिले में मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान लोकसभा में एलओपी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे कार्यकर्ता मनोज जारंगे पाटिल के समर्थक मुंबई में उनके आंदोलन में शामिल होने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के बाहर एकत्र हुए।

फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन (फेस्टा) के सदस्य नई दिल्ली के सदर बाजार स्थित कुतुब रोड चौक पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर हाल ही में लगाए गए टैरिफ के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए।

जापान की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद चीन के लिए रवाना होते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया।

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बादल फटने के बाद प्रभावित क्षेत्र में खोज और बचाव अभियान जारी है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता नई दिल्ली में अलीपुर डीएम कार्यालय में जिला समिति अध्यक्ष के कार्यालय के उद्घाटन के दौरान।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ मुंबई में भगवान गणेश की लालबागचा राजा मूर्ति के पंडाल का दौरा किया।

यूक्रेनी सांसद एंड्री पारुबी की गोली मारकर हत्या जेलेंस्की बोले- यह एक सोची-समझी साजिश

कीव ,04 सितंबर(एजेंसी)। यूक्रेन के सांसद और पूर्व संसद अध्यक्ष एंड्री पारुबी की ल्विव में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे सुनियोजित हमला बताया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे भयावह और पूर्व नियोजित अपराध बताया। यूरोपीय संसद अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति पोरोशेंको ने भी इस हत्याकांड पर शोक जताया है।

यूक्रेन के सांसद और संसद के पूर्व प्रमुख एंड्री पारुबी की ल्विव शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे %सुनियोजित हमला% बताया है। हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और फरार अपराधी की तलाश जारी है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हत्या को %भयावह अपराध% बताया। इसके बाद शोक जताते हुए उन्होंने इसे पूर्व नियोजित हत्या बताया। जेलेंस्की ने कहा कि ये एक सोची समझी साजिश है। हत्याकांड की जांच कर दोषियों को सजा दिलाने के लिए सरकार सभी संसाधन झोंकेगी।

यूरोपीय संसद अध्यक्ष ने जताया दुख

वहीं पारुबी की हत्या के बाद यूरोपीय संसद अध्यक्ष रोबर्टा मेटसोला और पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको ने भी गहरा दुख जताया।

पोरोशेंको ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह सिर्फ किसी व्यक्ति पर नहीं, बल्कि सेना, भाषा और आस्था पर हमला है। एंड्री परुबी यूक्रेन के सच्चे सपूत थे। यह एक आतंकवादी हमला है और दोषियों को सज़ा मिलनी ही चाहिए। फिलहाल हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस उसकी तलाश में लगी हुई है।

पारुबी ने घटनास्थल पर ही तोड़ा दम

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पारुबी को कई बार गोली मारी गई। इससे पहले कोई मदद या फिर आपातकालीन सेवाएं पहुंच पातीं, उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हमलावर शॉर्ट बैरल वाले हथियार से लैस था और वारदात के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी पूरी तरह से तैयार होकर हत्या के इरादे से आया था।

पारुबी के बारे में जानिए?

54 साल के पारुबी यूक्रेनी संसद के एक सक्रिय सदस्य थे और 2016 से 2019 तक संसद अध्यक्ष भी रहे। वे 2004 की ऑरेंज क्रांति और 2013-14 के माइडान आंदोलन में अहम भूमिका निभा चुके थे। खासकर माइडान आंदोलन में वे कीव के इंडिपेंडेंस स्क्वायर में विरोध प्रदर्शनों की अगुवाई करते दिखे थे, जिसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। उन्होंने 2014 में यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव के रूप में भी कार्य किया और 2019 में भाषा कानून पास करवाने में प्रमुख भूमिका निभाई, जिसके तहत सार्वजनिक जीवन में यूक्रेनी भाषा को अनिवार्य किया गया।

संघीय अदालत के फैसले के बाद, अब ट्रंप के टैरिफ का क्या होगा, भारत को मिल सकता है बड़ा फायदा

वॉशिंगटन ,04 सितंबर (एजेंसी)। संघीय अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ लगाने का फैसला लिया, लेकिन इस कानून में टैरिफ शब्द का उल्लेख ही नहीं है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मनमाने तरीके से दुनिया के विभिन्न देशों पर भारी-भरकम टैरिफ थोप दिया है, जिनमें भारत भी शामिल है। अब अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप की राह में रोड़े अटका दिए हैं। यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि ट्रंप ने देशों पर टैरिफ लगाने के लिए अपनी शक्तियों का सीमा से आगे बढ़कर इस्तेमाल किया। संघीय अदालत ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफ को गलत बताया और उस पर रोक लगाने का आदेश दिया। हालांकि ये आदेश तुरंत लागू नहीं होगा और अदालत ने ट्रंप प्रशासन को अक्तूबर तक सुप्रीम कोर्ट में अपील का समय दिया है, तब तक टैरिफ लागू रहेगा।टैरिफ पर रोक लगी तो अमेरिका को मिलने वाले लाखों करोड़ रुपये से हाथ धोना पड़ेगा

संघीय अदालत का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ा झटका है क्योंकि उनकी व्यापार नीतियों ने वित्तीय बाजार में भारी उथल-पुथल मचा रखी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का समय है, बढ़ती महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि ने दुनिया को मंदी की तरफ धकेल दिया है। अब अगर टैरिफ पर भी रोक लग जाती है तो इससे अमेरिका को मिलने वाले लाखों करोड़ रुपये भी अटक जाएंगे। हालांकि विदेशी स्टील, एल्युमीनियम और ऑटोमोबाइल पर लगाए गए टैरिफ पर अदालत ने रोक नहीं लगाई है क्योंकि ये आयात अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं।जिस कानून के तहत ट्रंप ने टैरिफ लगाया, अदालत ने उस पर उठाए सवाल

संघीय अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत

ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ लगाने का फैसला लिया, लेकिन इस कानून में टैरिफ शब्द का उल्लेख ही नहीं है। अदालत ने कहा कि टैरिफ लगाने की मूल शक्ति अभी भी अमेरिकी संसद के पास है। अब अदालत के फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन के पास दो ही रास्ते बचे हैं कि या तो वे सुप्रीम कोर्ट जाएं और या फिर वे संसद से टैरिफ को पारित कराएं। हालांकि दोनों ही जगह ट्रंप प्रशासन को खासी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। भारत को मिलेगा फायदा

अमेरिका अदालत ट्रेडर्स और संगठनों ने ट्रंप प्रशासन के फैसले के खिलाफ अपील की थी, लेकिन इस अपील में मेक्सिको, चीन और कनाडा पर लगाए गए टैरिफ का विरोध किया गया था। हालांकि अगर टैरिफ पर रोक लगती है तो उसका फायदा सभी देशों को होगा, जिनमें भारत भी शामिल है। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है और अगर सुप्रीम कोर्ट संघीय अदालत के फैसले को बरकरार रखता है तो भारत पर टैरिफ घटकर 15 प्रतिशत तक हो सकता है। दरअसल ट्रेड कानून के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति को 15 प्रतिशत तक ही टैरिफ लगाने का अधिकार है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 2 अप्रैल को उन देशों पर 50% तक का तथाकथित पारस्परिक टैरिफ लगाया जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा है, तथा लगभग सभी अन्य देशों पर 10% आधारभूत टैरिफ लगाया। बाद में राष्ट्रपति ट्रंप ने पारस्परिक शुल्कों को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया ताकि देशों को अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत करने का समय मिल सके। कुछ देशों ने ऐसा किया, जिनमें ब्रिटेन, जापान और यूरोपीय संघ शामिल हैं। जो देश ट्रंप के आगे नहीं झुके, उन पर भारी-भरकम टैरिफ लगा दिया गया। अमेरिकी संविधान कांग्रेस को टैरिफ सहित कर निर्धारित करने का अधिकार देता है। लेकिन सांसदों ने धीरे-धीरे राष्ट्रपतियों को टैरिफ पर अधिक अधिकार दे दिए, जिनका मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने भरपूर फायदा उठाया।

भारत के अड़िग रुख से खिसियाए ट्रंप, अब यूरोपीय देशों से भी नई दिल्ली पर टैरिफ लगाने को कहा

वॉशिंगटन,04 सितंबर (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत से चिढ़े हुए हैं। दरअसल वे अपने वादे के अनुसार, अभी तक रूस-यूक्रेन युद्ध नहीं रुकवा पाए हैं और अब उन्होंने इसका ठीकरा भारत पर फोड़ना शुरू कर दिया है। ट्रंप का कहना है कि भारत द्वारा रूस से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल खरीदा जा रहा है, जिससे यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषण मिल रहा है। इसी का बहाना बनाकर ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया। हालांकि उनका ये दांव भी फीका रहा और भारत पर इसका बहुत ज्यादा असर होता नहीं दिख रहा है। इससे ट्रंप लग रहा है कि और चिढ़ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब ट्रंप यूरोपीय देशों पर भी दबाव बना रहे हैं कि वे भी रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाएं।

भारत के खिलाफ यूरोपीय देशों को भड़का रहे ट्रंप

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, व्हाइट हाउस ने यूरोपीय देशों से भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका जैसे प्रतिबंध लगाने को कहा है, जिसमें नई दिल्ली से खरीदे जाने वाले सभी तेल और गैस पर पूरी तरह से रोक लगाना भी शामिल है। गौरतलब है कि यूरोपीय नेता भी यूक्रेन में युद्ध समाप्त कराने के पक्ष में हैं। हालांकि जहां अमेरिका का दावा है कि भारत रूसी तेल खरीद रहा है और उससे मुनाफा कमा रहा है, वहीं अधिकांश यूरोपीय देश इस मुद्दे पर काफी हद तक चुप रहे हैं और उन्होंने ट्रंप के टैरिफ कदम का खुलकर समर्थन या विरोध नहीं किया है।

इस बात से भी नाराज हैं ट्रंपअमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच 7 से 10 मई के बीच हुए संघर्ष को लगातार रुकवाने का दावा किया है। पाकिस्तान ने जहां ट्रंप के दावे को स्वीकृति दी है बल्कि ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने की भी मांग कर डाली है। वहीं भारत का रुख इस मामले में बिल्कुल अलग रहा है।

8 सेकंड में 100 की रफ्तार, कीमत 5.6 करोड़ चीन ने पीएम मोदी को सौंपी शी जिनपिंग की फेवरेट 'रेड फ्लैग' कार

टियांजिन ,04 सितंबर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भी कहीं दौरे पर जाते हैं, तो उनके काफिले पर सबकी नजरें होती हैं। लेकिन इस बार चीन में हो रहे शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान उनके काफिले की एक कार पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गई है। दरअसल, चीन ने मेहमान नवाजी की एक नई मिसाल पेश करते हुए पीएम मोदी को अपनी सबसे प्रतिष्ठित और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पसंदीदा कार दी है।इस कार को 'रेड फ्लैग' के नाम से भी जाना जाता है और यह चीन की राष्ट्रीय गरिमा का प्रतीक है।

यह वही कार है जिसका इस्तेमाल राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 2019 में भारत के महाबलीपुरम दौरे पर पीएम मोदी से मिलने के लिए किया था। अब चीन का पीएम मोदी को यही कार सौंपना एक बड़े राजनयिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। यह कार चीन की सरकारी कंपनी 'फर्स्ट ऑटोमोटिव वर्क्स' बनाती है, जिसने पहली कार 1958 में कम्युनिस्ट पार्टी के शीर्ष नेताओं के लिए बनाई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के

चिनफिंग और पीएम मोदी के बीच हुई बात, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अधिकारी ने किया खुलासा

बीजिंग,03 सितंबर (एजेंसी)। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के एक वरिष्ठ पदाधिकारी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के विश्वस्त काई की ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच बैठक सार्थक रही और दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के विकास पर नई महत्वपूर्ण सहमति पहुंचे हैं। सीपीसी केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य काई की ने कहा कि चीन, भारत के साथ मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान और पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग बढ़ाने, मतभेदों का उचित प्रबंधन व समाधान करने एवं चीन-भारत संबंधों में और सुधार करने व विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करने को तैयार है।भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति के सदस्य काई की साथ भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने काई की के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर अपना दृष्टिकोण साझा किया और दोनों नेताओं के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए उनका सहयोग मांगा।काई की ने द्विपक्षीय आदान-प्रदान बढ़ाने तथा दोनों नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुरूप संबंधों को और बेहतर बनाने की चीन की इच्छा दोहराई।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की फ्लाइट के शौचालय में आई समस्या, बोतल में पेशाब करने के लिए मजबूर हुए यात्री

ब्रिसबेन ,04 सितंबर (एजेंसी)। वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की बाली से ब्रिसबेन जा रही फ्लाइट में टॉयलेट खराब होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उड़ान के दौरान सभी टॉयलेट बंद हो गए, जिससे यात्रियों को बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। सोशल मीडिया पर लोगों ने बदबू और असुविधा को लेकर नाराजगी जताई। यात्रियों ने बताया कि 6 घंटे की यह यात्रा बेहद कष्टदायक रही।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की एक फ्लाइट से अजीबोगरीब खबर सामने आ रही है। जहां यात्रियों को यात्रा के दौरान शर्मनाक स्थिति का सामना करना पड़ा, जब टॉयलेट खराब हो जाने के कारण उन्हें बोतलों में पेशाब करनी पड़ी। यह घटना पिछले हफ्ते बाली (इंडोनेशिया) से ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) आ रही फ्लाइट में हुई। यह फ्लाइट बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित हो रही थी और गुरुवार दोपहर डेनपसार से रवाना हुई थी। उड़ान के समय एक पिछला टॉयलेट पहले से ही मरम्मत के चलते बंद था। लेकिन यात्रा के दौरान बाकी टॉयलेट भी खराब

हो गए, जिससे यात्रियों को 6 घंटे की उड़ान में टॉयलेट की सुविधा नहीं मिली।

यात्रियों ने बताया अपना अनुभव-विमान में हुए इस कृत्य के बारे में यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान एक यात्री ने कहा कि आखिरी तीन घंटे बेहद मुश्किल भरे थे। कुछ लोगों को बोतल में पेशाब करना पड़ा, तो कई यात्री बदबू और असहजता से परेशान दिखे।

बुदुर्ग महिला को करना पर दिक्कत का सामना

यात्री ने बताया स्थिति इतनी खराब हो गई कि एक बुजुर्ग महिला के खुद को नहीं रोक पाने की वजह से वह सार्वजनिक रूप से पेशाब कर बैठीं, जिससे उन्हें शर्मिंदगी झेलनी पड़ी। वहीं एक यात्री ने बताया कि फ्लाइट के बीच में ही सभी टॉयलेट काम करना बंद कर दिए। बाकी समय हमें बोतल में या फिर पहले से गंदे टॉयलेट में ही पेशाब करने को कहा गया। यह अपमानजनक और तनावपूर्ण था।

हालांकि मामे में वर्जिन ऑस्ट्रेलिया ने माफी मांगते हुए कहा कि वे यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद प्रकट करते हैं और प्रभावित लोगों को फ्लाइट क्रेडिट दिया जाएगा। एयरलाइन ने अपने स्टाफ की भी सराहना की जिन्होंने इस मुश्किल स्थिति को संभालने की कोशिश की। ऑस्ट्रेलियाई ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन ने इस घटना की आलोचना करते हुए इसे यात्रियों और क्रू के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरा बताया।

अक्टूबर से विशेष उर्वरक निर्यात पर फिर प्रतिबंध लगाएगा चीन, बढ़ सकती हैं कीमतें

बीजिंग, 04 सितम्बर[एजेंसी]। चीन अक्टूबर से विशेष उर्वरक के निर्यात पर एक बार फिर से प्रतिबंध लगाने जा रहा है। ऐसे में कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसका सीधा असर किसानों पर पड़ेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि चीन से विशेष उर्वरक निर्यात की अस्थायी बहाली के चलते राहत मिली है, लेकिन यह राहत अल्पकालिक होगी, क्योंकि बीजिंग अगले महीने से निरीक्षण बढ़ाकर और खेप में देरी करके निर्यात नियंत्रण कड़ा करने की योजना बना रहा है।बता दें कि भारत ने सात वर्षों के अनुसंधान के बाद अपनी पहली स्वदेशी पानी में घुलनशील उर्वरक तकनीक विकसित कर ली है। यह एक ऐसी सफलता है जो देश को विशिष्ट उर्वरकों के

क्षेत्र में अग्रणी बना सकती है। घुलनशील उर्वरक उद्योग संघ (एसएफआईए) के प्रेसिडेंट राजीव चक्रवर्ती ने एक साक्षात्कार में कहा, यह एक अस्थायी समाधान है, क्योंकि चीन अक्टूबर से निर्यात बंद कर रहा है। वे इसे केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व बाजार के लिए बंद कर रहा है। भारत और चीन के बीच मुद्दे फिलहाल सुलझ गए हैं, लेकिन प्रतिबंधों का सिलसिला फिर से शुरू होने की आशंका है। चक्रवर्ती ने कहा, एक बार जब वे आपूर्ति रोक देते हैं या उस पर प्रतिबंध लगाना शुरू करते हैं, तो वे इसे पूरी तरह से नहीं रोकते। वे निरीक्षण लगाकर और खेपों में देरी करके इसे सीमित कर देते हैं। इसलिए यह प्रक्रिया अक्टूबर से फिर शुरू होगी।

अफगानिस्तान में भूकंप से मची भीषण तबाही, 500 से ज्यादा की मौत, दिल्ली-एनसीआर तक महसूस हुए झटके

काबुल ,04 सितंबर (एजेंसी)। अफगानिस्तान में पाकिस्तान सीमा के पास रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। इस आपदा में अब तक 500 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1000 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इन्हें पाकिस्तान के अलावा भारत के दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में भी महसूस किया गया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत के जलालाबाद के पास जमीन से मात्र 8 किलोमीटर की गहराई में था। कम गहराई होने की वजह से नुकसान कहीं ज्यादा हुआ।

सम्पादकीय...

धर्म कर्म निभाएं

पहाड़ से मैदान तक बारिश व बाढ़ का कहर जारी है। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर तथा हरियाणा सभी राज्य मौसम की मार झेल रहे हैं। पंजाब में जल प्रलय है। पौंग और रणजीत सागर डैम के बाद भाखड़ा डैम के भी फ्लड गेट 4 फीट तक उठा दिए गए हैं। डैमों से छोड़े जाने वाले पानी के कारण पंजाब के 12 जिलों से अधिक और हरियाणा के अठारह जिले बाढ़ ग्रस्त हो गए हैं। लाखों लोग घरों से बेघर हो चुके हैं। बाढ़ ग्रस्त गांवों से लोगों को राहत शिविरों में लाया जा रहा है। पशुधन का नुकसान अलग से है। रिपोर्ट के अनुसार पंजाब में 3 लाख एकड़ की फसलें तबाह हो चुकी हैं। हिमाचल प्रदेश को आपदा ग्रस्त राज्य घोषित कर दिया गया है। पंजाब केन्द्र से इसकी मांग कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिंघाई सहयोग संगठन की बैठक के बाद दिल्ली हवाई अड्डे से ही पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से राज्य के हालात का जायजा लिया है। गृहमंत्री अमित शाह ने भी पंजाब से सम्पर्क बनाया हुआ है। प्राकृतिक आपदा में सरकार के साथ-साथ समाज भी राहत व बचाव के कार्यों में लगा हुआ है। लगातार हो रही बारिश ने राहत व बचाव कार्यों में जुटे लोगों व संगठनों समाचारों अनुसार हरियाणा में 18 जिलों की हालत नाजुक है बारिश के कारण 2.5 लाख एकड़ में फसलें डूब चुकी हैं। 40 हजार किसान परिवार सीधे सीधे प्रभावित हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में बादल फटने के कारण जम्मू व कश्मीर दोनों क्षेत्र बुरी तरह से प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला केन्द्र से राहत मांग रहे हैं। उत्तराखंड भी इसी तरह मौसम की मार झेल रहा है। इन प्रदेशों की सरकारें अपने-अपने स्तर पर आपदा की इस घड़ी में प्रशासनिक स्तर पर अधिकारियों से बैठक कर राहत कार्यों में तेजी लाने व बचाव कार्य के लिए तत्काल कदम उठा रही हैं। धरातल का सत्य यह है कि इस के सामने कई प्रकार की कठिनाइयां पैदा की हैं लेकिन इसके बावजूद राहत व बचाव कार्य समाज व सरकार अपने-अपने स्तर पर जारी रखे हुए हैं। आपदा के समय में यह एक शुभ संकेत ही है। धार्मिक व सामाजिक संगठनों तथा गैर सरकारी संगठनों तथा सरकारों को सहयोग देना आज हर प्रदेश व देशवासी का पहला कर्तव्य बन जाता है। पर आवश्यक नहीं कि आप राहत कार्यों में लाखों रुपए दें। आप अपनी सुविधानुसार जो दें वह महत्वपूर्ण है क्योंकि संगठनों की मदद करने से पहले आप अपने प्रभावित पड़ोसी की किसी प्रकार की सहायता समय पर करते हैं तो उसका विशेष महत्व है। सामाजिक संगठन और सरकारें दोनों ने राहत कार्यों के लिए राहत कोष की घोषणा भी की है। राहत कार्यों के लिए सरकारें तो अपने स्तर पर आर्थिक सहायता तो की इस घड़ी में वह पीड़ित परिवारों के लिए जिस किसी ढंग से वह मदद कर सकते हैं वह करें। इंसानों के साथ-साथ पशुधन को बचाने के लिए सक्रिय होने की भी आवश्यकता है। आप दवाइयां, कपड़े, बर्तनों सहित देंगी ही लेकिन पीड़ित परिवारों का जो नुकसान हुआ है वह सरकार की दी जानी वाली राशि से कहीं अधिक है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति की कोशिश होनी चहिए कि दुख इंसान के जीवन से संबंधित किसी भी वस्तु का दान करें, इसी तरह पशुओं के लिए चारे व दाने का सहयोग करें। आप का दिया यह सहयोग संकट ग्रस्त लोगों के लिए एक बड़ी राहत ही होगी। हमारे धर्म ग्रंथों में परमार्थ को ही धर्म कहा गया है, मौसम की मार के कारण संकटग्रस्त लोगों की सहायता करना एक पुण्य कार्य है। धर्म कर्म को अपना कर्तव्य समझते हुए हर व्यक्ति को आगे आ निभाना चाहिए।

संघ प्रमुख मोहन भागवत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरी झंडी दी

अजय दीक्षित

दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर आयोजित नए क्षितिज कार्यक्रम में बोलते हुए एक प्रश्न के उत्तर में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि उनकी तरफ से राजनीति में 75 वर्ष रिटायरमेंट की आयु जैसा उन्होंने कभी कुछ नहीं कहा है न वे इस आयु रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कह दिया कि हम भारतीय जनता पार्टी के विषय में कोई आदेश देते हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद चुनाव में उनकी कोई भूमिका नहीं है।

मोहन भागवत के इस कथन से पिछले एक साल से चली आ रही रिटायर होने की खबर पर विराम लग गया है और एक तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हरी झंडी मिल गई है।

दरअसल कुछ दिनों पहले मोहन भागवत ने स्व मोरोपंत पिंगल को उद्धत कर कह दिया था। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा चल निकली थी कि शायद मोदी 2029 से पहले अवकाश ग्रहण करेंगे और उस श्रेणी में राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, निर्मला सीतारमण, लालमणि चौबे,सहित अनेक नेता भी शामिल थे। इसी आधार पर कलराज मिश्र, होशियारी, भुवन चंद्र खंडूरी,आदि को भी अवकाश दिया गया था। नयी दिल्ली में तो बकायदा प्रधानमंत्री पद के लिए संभावित नेताओं के नाम मीडिया में आने लगे थे जिसमें सबसे बड़ा नाम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ,का था। जानकार सूत्रों ने बताया है कि संघ ने इस मामले में जनता और कार्यकर्ताओं का रिएक्शन आने का इंतजार किया। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकल्प नहीं निकल पाया तो संघ ने स्थिति स्पष्ट करने में ही संगठन की भलाई समझी।दूसरे सर कारवाहा दत्तात्रेय होसबोले , ने भी अपनी भूमिका निभाई। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के मामलों के जानकार जानते हैं कि इस प्रकार के सोच विचार नागपूर में चलते रहते हैं। योगी आदित्यनाथ, मोहन यादव, देवेंद्र फडणवीस, सी पी राधाकृष्णन, रेखा गुप्ता इसी विचार का परिणाम है। भारतीय जनता पार्टी जब से बनी है उसमें केवल अटल बिहारी वाजपेई ही ऐसे नेता रहे जो संघ की पकड़ से बाहर तो नहीं थे लेकिन अपने विस्तृत जनाधार के कारण संघ की मजबूरी भी थे । लालकृष्ण आडवाणी, के वो कृष्णमूर्ति, कुशाभाऊ ठाकरे, संघ की पसंद थे। नए क्षितिज कार्यक्रम में बोलते हुए मोहन भागवत ने और भी कई बिंदुओं को लेकर अपने विचार रखे।सबसे प्रमुख बात जो उन्होंने बताई कि 15 वीं सदी में ईरान के लोगो ने कहा कि हिमालय के उस पार वाले क्षेत्र में हदवा लोग रहते हैं। इसी से बना हिन्दू। हिंदू कोई धर्म नहीं है बल्कि भारतीय उप महाद्वीप में रहने वाला मनुष्य हिन्दू चाहे वह किसी भी धर्म को मानता हो यहां तक कि मुस्लिम भी।अभी भी मक्का मदीना में भारतीय मुस्लिमों को हिंद मुसलमान कहते हैं। संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में इन हिन्दू लोगों के लिए ही संघ की स्थापना की थी।

देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी

डॉ. शालिग्राम सिंह

दुनिया भर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कारण व्यापार शुल्क को लेकर जो भीषण रार मची है, उसने विश्व अर्थव्यवस्था की दिशा और मंजिल, दोनों को लेकर कई तरह के विमर्श और संकटों को सामने ला दिया है।

ये सारी बातें भविष्य की दुश्वारियों से तो जुड़ी हैं ही, इनसे अतीत के अनुभवों को लेकर भी कई बातें साफ हुई हैं। बात अकेले भारत की करें तो हमारे यहां खास तौर पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर उदारीकरण के दौर में जिस तरह की नीतिगत समझ बननी चाहिए थी, वैसी बनी नहीं। इस कारण लंबे समय तक देश की अर्थव्यस्था की रीढ़ रहा यह क्षेत्र गंभीर उपेक्षाओं का शिकार हुआ। आज जब नौकरी-रोजगार की समस्या पर प्राथमिकता के साथ विचार करने की दरकार फिर से मजबूत हुई है, तो देश के ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी आर्थिकी को सुधारने की बात नये सिरे से रेखांकित हो रही है।

गौरतलब है कि 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत की 68.85 फीसद आबादी ग्रामीण अंचल में रहती है। अलबत्ता, शहरीकरण के बढ़े जोर के बावजूद नीति आयोग का अनुमान है कि 2045 में भी यह आंकड़ा 50 फीसद से ऊपर ही रहेगा। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट, 2023-24 में बताया गया है कि ग्रामीण रोजगार मुख्य रूप से 53.5 फीसद स्वरोजगार और 25.6 फीसद आकस्मिक श्रम पर टिका है। ग्रामीण श्रमिकों का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा (58.4त्र) कृषि में लगा हुआ है, जो आम तौर पर मौसमी रोजगार ही प्रदान करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में वेतनभोगी नौकरियां कुल कार्यबल का महज 12 फीसद है।

ऐसे में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का सबसे बड़ा आधार वहां के लोगों के आय विकल्पों में सुधार है। अच्छी बात यह है कि इस दिशा में देश काफी आगे बढ़ा है। नीति आयोग की रिपोर्ट के बाद केंद्र सरकार का 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकलने का तथ्य तो संयुक्त राष्ट तक में गूंज चुका है। इस आंकड़े का सबसे चमकदार पक्ष बिहार और यूपी जैसे वे राज्य हैं, जहां की आबादी का बड़ा हिस्सा गांव-कस्बों में रहता है। ये वही राज्य हैं जो बीमारू के नाम पर लंबे दौर तक गांवों के पिछड़ेपन के कारण कोसे जाते रहे हैं। बीते दशक में गरीबी उन्मूलन इन्हीं सूबों में सर्वाधिक हुआ है।

देश के ग्रामीण अंचल में आर्थिक सुधार और जागरूकता की एक बड़ी शुरु आत 2014 में प्रधानमंत्री जन-धन योजना से हुई। इसके तहत अब तक देश में कुल 55.44 करोड़ से ज्यादा बैंक खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें से 56 फीसद खाते महिलाओं के हैं। 21 मई, 2025 तक इन खातों में कुल जमा राशि 2.5 लाख करोड़ रु पये से अधिक हो चुकी है। वित्तीय समावेशन की इस बड़ी पहल का नतीजा है कि खास तौर पर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में बचत और बीमा को लेकर तो जागरूकता आई ही है, वे वित्तीय लाभ के दूसरे विकल्पों को भी गंभीरता से आजमाने लगे हैं।

इन विकल्पों में सबसे दिलचस्प है शेयर बाजार की ओर उन्मुखता। कोरोना महामारी से पहले डीमैट और म्यूचुअल फंड खातों की संख्या पांच करोड़ थी, जो अब लगभग 13 करोड़ पर पहुंच चुकी है। बेशक, इसमें बड़ी भागीदारी शहरी खाताधारकों की है, लेकिन माना जा रहा है कि बाजार का आकार इस ओर बढ़ रहे ग्रामीणों के रुझान को इंगित करता है।

आत्मनिर्भर भारत के लिए सक्षम और समृद्ध गांव जरूरी है। इस दिशा में अपने प्रयास को बढ़ाते हुए केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि अब डाकघरों के जरिए भी म्यूचुअल फंड खरीदे जा सकेंगे। इसके लिए डाक विभाग और एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के बीच एक समझौता हुआ है। इसका उद्देश्य देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। यह समझौता तीन वर्ष के लिए किया गया है, जो 21 अगस्त, 2028 तक लागू रहेगा। आगे स्थिति की समीक्षा के साथ इसका नवीकरण होता रहेगा। इससे खास तौर पर देश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोग म्यूचुअल फंड के इकोसिस्टम से जुड़ सकेंगे।

समझौते के तहत डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड वितरकों के रूप में कार्य करेंगे। सरकार का यह कदम अपनी रूपरेखा और संकल्पना में कितना सुविचारित और विस्तृत है, यह इस बात से समझा जा सकता है कि पंचायतीराज मंत्रालय ने ग्रामीणों को सुरक्षित और लाभकारी निवेश के प्रति जागरूक करने के लिए सेबी के साथ अभियान की चरणवार रूपरेखा बनाई है। अभियान के तहत सबसे पहले छह राज्यों में 3,874 मास्टर ट्रेनर का एक नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। पायलट राज्यों और मास्टर ट्रेनर नेटवर्क से शुरू होकर यह कार्यक्रम धीरे-धीरे सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों तक पहुंचाने की योजना है।

दिलचस्प है कि इस दौरान देश में स्टॉक और फंड मार्केट में हिस्सेदारी को लेकर नया रु झान सामने आया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पांच वर्षों में डीमैट खाताधारकों की संख्या के अध्ययन के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2025 में सबसे ज्यादा 186 लाख इक्विटी निवेशक महाराष्ट्र में हैं, जबकि दूसरे स्थान पर है उत्तर प्रदेश, जहां 130 करोड़ ऐसे निवेशक हैं, जो इक्विटी में पैसा लगाते हैं। वित्तीय वर्ष 2020 की तुलना में 2025 में महाराष्ट्र ने 212.4 फीसद वृद्धि दर्ज कराई है, वहीं उत्तर प्रदेश ने 470.5 फीसद की छलांग लगाई है।

वैसे जिस सूबे ने अपने प्रदर्शन से सबको चौंकाया है, वह है बिहार। वहां वित्तीय वर्ष 2020 में महज सात लाख बाजार निवेशक थे पर अब यह आंकड़ा 52 लाख को पार कर गया है यानी 678.8 फीसद की उच्चतम वृद्धि। बिहार में इस बदलाव के नायक निस्संदेह नीतीश कुमार हैं। दिलचस्प है कि इस परिवर्तन का एक बड़ा पक्ष महिलाओं से जुड़ा है। आज की तारीख में बिहार में 6,389 जीविका बैंक सखियां ग्रामीणों को बैंक से जुड़े कार्य उनके द्वार पर ही उपलब्ध करा रही हैं। अब जब डाकघर के जरिए तमाम बचत और बीमा सुविधाओं के साथ म्यूचुअल फंड की बिक्री शुरू होगी तो निश्चित रूप से वित्तीय समावेशन का नया दौर शुरू होगा। यह दौर देश के आर्थिक स्वावलंबन को तो मजबूती देगा ही इससे ओडिशा, झारखंड और बिहार जैसे पिछड़े सूबों के ग्रामीण अंचल में भी समृद्धि और खुशहाली बढ़ेगी।

(यह लेखक के अपने विचार है)

टैरिफ संकट:करने होंगे तात्कालिक उपाय

विकेश कुमार बडोला

अंततः भारत-अमेरिका की आर्थिक शत्रुता बढ़ाने वाला बड़ा निर्णय ट्रंप ने ले ही लिया। गत 28 अगस्त से अमेरिका भेजे जाने वाले भारतीय उत्पादों पर कुल पचास प्रतिशत शुल्क लगने लगेगा। भारत में तो नहीं किंतु अमेरिका में बढ़े हुए शुल्क के शासकीय निर्णय पर पक्ष-विपक्ष के राजनेता तथा उनसे संबद्ध विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के दो समूह बन गए हैं। एक समूह भारत पर अतिरिक्त शुल्क लगाने को अनुचित मान रहा है, तो दूसरा ट्रंप के निर्णय का समर्थन कर रहा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट सकारात्मक हैं। वे आशान्वित हैं कि अंततः अमेरिका व भारत के मध्य अर्थव्यवस्था की अनुकूल स्थितियां बनेंगी। उनके अनुसार एकपक्षीय टैरिफ व कुछ अनावश्यक वक्तव्यों के बाद भी दोनों देशों के मध्य वार्ता की राह बंद नहीं हुई है। कुछ अन्य प्रभावशाली पदाधिकारी भी बारंबार कह रहे हैं कि यदि भारत पर पच्चीस प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ रूस से तेल खरीद के कारण लगा है तो फिर चीन पर बढ़ा हुआ टैरिफ क्यों नहीं लगाया गया, क्योंकि वो तो भारत की तुलना में रूस से अधिक तेल आयात कर रहा है। इस आपत्ति के आलोक में विचार करें तो यही ज्ञात होता है कि ट्रंप जो हैं वे मोदी के साथ अपनी व्यक्तिगत मित्रता के कारण यही चाहते थे कि भारत के साथ प्रस्तावित अमेरिका के अनेक क्षेत्रों, विशेषकर व्यापार से संबंधित समझौतों पर भारत वैश्विक भूराजनीतिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्यों पर विचार किए बिना ही सहमति के साथ हस्ताक्षर कर दे। भारत ने ऐसा नहीं किया और अमेरिकी टैरिफ के चक्रव्यूह में फंस गया। भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाली वस्तुओं में आभूषण, वस्त्र, हस्तशिल्प, खाद्य पदार्थ इत्यादि सम्मिलित हैं। इन वस्तुओं के उत्पादन में नियुक्त औद्योगिक एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों के सम्मुख आगामी समय चुनौतियों से पूर्ण होगा। जब तक भारतीय शासन द्वारा अमेरिका को विभिन्न वस्तुएं निर्यात करने के माध्यम से वैश्विक बाजार में टिके हुए निर्यातकों को बड़े व नवोन्मेषी राहत पैकेज नहीं मिल जाते अथवा अमेरिका के साथ वार्ता करके अतिरिक्त शुल्क के निर्णय को निष्क्रिय नहीं कर दिया जाता, तब तक इनके स्तर पर देशी-विदेशी व्यापार मंद होता रहेगा। हालांकि भारतीय वाणिज्य विभाग निर्यातकों की सहायता के लिए विविध आयामी व्यापारनीति पर कार्य कर रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के स्तर पर निर्यातकों हेतु नकदी की चुनौतियों से निपटने के उपायों पर विचार हो रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मूलतः अमेरिका में वस्तुएं भेजने वाले निर्यातकों को शीघ्रातिशीघ्र सहायता उपाय लागू करने का भरोसा दिया है। शासन पहले से चली आ रही योजनाओं को पुनर्जीवित करने व निर्यात संवर्द्धन अभियान को भी शीघ्र लागू करने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री जापान, चीन की यात्रा पर हैं। वे इस समयावधि में प्रमुख रूप से भारत के उन आर्थिक-व्यापारिक क्षेत्रों के लिए ही नए विकल्प ढूंढने को प्राथमिकता देंगे, जिन्हें अमेरिकी टैरिफ के बाद मंदी का सामना करना पड़ेगा। टैरिफ संकट से निकलने का प्रत्यक्ष एवं आसान उपाय तो यही है कि भारत टैरिफ की चिंताओं व समस्याओं के संबंध में अमेरिका से निरंतर वार्ता करता रहे। अमेरिकी वित्त मंत्री सहित भारत हितैषी कुछ नेताओं द्वारा इस संदर्भ में सकारात्मक वक्तव्य भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जो कहीं न कहीं गुप्त रूप से यही इंगित कर रहे हैं कि ट्रंप के राष्ट्रपति पद से हटते ही भारत-अमेरिका के मध्य टैरिफ संकट पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। टैरिफ व्यूह से निकलने के इन तात्कालिक उपायों, आशाओं एवं कार्यों के अतिरिक्त भारत को अपनी भावी आर्थिक स्थितियों को अमेरिका या किसी एक बड़े देश पर आश्रित करने की तुलना में आत्मनिर्भरता तथा स्वदेशी के अर्थबल द्वारा साधना होगा। स्वदेशी अर्थव्यवस्था को कार्यबल देकर भारत टैरिफ की समस्याओं से तात्कालिक मुक्ति पा सकता है। पारंपरिक रूप से मांग व उपभोग आधारित रही अपनी अर्थव्यवस्था को भारत एफएमसीजी यानी फास्ट मूविंग कंज्यूमर प्रोडक्ट के उत्पादन से लेकर अंतिम उपभोग के चरण तक आर्थिक वृद्धि का आधार बना सकता है। इसके लिए भारतीय बाजारों को वस्तु के कम मूल्य से लेकर गुणवत्ता तक का तो ध्यान रखना ही होगा, साथ ही साथ बाजारीकरण के पुराने ढर्रे और ऑनलाइन आपूर्ति श्रृंखला का सामंजस्य भी बनाए रखना होगा। विभिन्न क्षेत्रों में बड़े विनिर्माणन उद्योगों में निर्मित होने वाले यांत्रिक उत्पादों में लगने वाले छोटे व सहायक उपकरणों हेतु मेक इन इंडिया अभियान को स्टार्टअप से जोड़कर परिणामोन्मुखी व लाभोन्मुखी बनाना होगा। अमेरिका को निर्यात होने वाले हीरे-जवाहरात, वस्त्र, शिल्पकारी की वस्तुओं, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों व अन्य उत्पाद सामग्रियों के लिए मांग आधारित स्वदेशी व विदेशी, दोनों बाजारों में मूल्य को प्रतिक्षण प्रतिस्पर्द्धी व लचीला रखना होगा। मूल्यह्रास की प्रतिस्पर्द्धा में बने रहकर होने वाली आर्थिक हानि को वस्तुओं व सामग्रियों की मांग में पुनरावृत्ति करके कम करना होगा। इस हेतु वस्तु व सामग्री की गुणवत्ता, आकर्षण एवं मांग होने पर त्वरित आपूर्ति की व्यवसाय-संस्कृति विकसित करनी होगी। अमेरिका को छोड़ जिन अन्य देशों के साथ भारत का आयात-निर्यात दहाई के प्रतिशत में है, उनके हाई परचेजिंग उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों व सेवाओं के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न करने की दिशा में कार्य करना होगा। इन देशों में चीन, यूएई, जर्मनी, हांगकांग, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, नाइजीरिया, बेल्जियम, जापान, इराक, ईरान, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका सम्मिलित हैं। अभी ब्रिक्स के दो सदस्य देशों रूस और ब्राजील को भी भारत के निर्यात खरीददार के रूप में स्थापित करने की चुनौती सामने है। विश्व में जनसंख्या में शीर्ष के तीन देशों में तो अमेरिका, चीन समेत स्वयं भारत प्रथम स्थान पर है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

अतिरिक्त टैरिफ भारतीय निर्यात प्रभावित

भारत पर अतिरिक्त 25 फीसद अमेरिकी शुल्क बुधवार को लागू हो गया। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने इस बाबत अधिसूचना जारी कर दी है, और इसी के साथ भारतीय वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ कर 50 फीसद हो गया। माना जा रहा है कि 48 अरब डॉलर से ज्यादा का अमेरिका को किया जाने वाला भारतीय निर्यात इससे प्रभावित होगा।

भारत के वस्त्र, परिधान, रत्न-आभूषण, झींगा, चमड़ा और जूते-चप्पल, पशु उत्पाद, रसायन, विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी उद्योग पर सर्वाधिक असर पड़ेगा। भारत के अलावा ब्राजील एकमात्र अमेरिकी व्यापारिक साझेदार है, जिसे 50 फीसद आयात शुल्क का सामना करना पड़ रहा है।

इस घटनाक्रम के बाद भारतीय शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली और कमजोर वैश्विक रुझान से निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ी है। सर्राफा बाजार में भी तेजी का रुझान बन गया है। दरअसल, भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका भारत के कृषि और डेयरी क्षेत्र में प्रवेश चाहता है, लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया है।

इसके बाद ट्रंप ने भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को बहाना बना कर यह अतिरिक्त शुल्क थोपा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त शुल्क थोप कर भारत पर कूटनीतिक और व्यापारिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्पष्ट कर चुके हैं कि कृषि और डेयरी क्षेत्र में भारत कोई समझौता नहीं करेगा क्योंकि हमारे लिए किसानों के हित सवरेपरि हैं।

भारत, अमेरिका को 79 अरब डॉलर का कुल निर्यात करता है, इसमें से 45 अरब डॉलर के भारतीय उत्पाद अमेरिकी शुल्क के दायर में आ जाएंगे यानी अमेरिका को लगभग 45 फीसद भारतीय निर्यात अमेरिकी टैरिफ के दायर से बाहर होगा, लेकिन 55 फीसद भारतीय निर्यात प्रभावित होना तय है।

दवा क्षेत्र को अमेरिका ने अभी नहीं छुआ है, लेकिन धमकी जरूर दे दी है कि भारतीय दवाओं पर भी 150 फीसद शुल्क लगाया जा सकता है।

बेशक, अमेरिका से निर्यात मोर्चे पर बड़ी चुनौती दरपेश है, लेकिन भारत के सामने तमाम विकल्प हैं। भारत को अमेरिका से बाहर नये बाजार तलाशने होंगे। जरूरी है कि रूस के साथ वह नई रणनीति के साथ बढ़े। भारत पलटवार की भी सोच सकता है। चुनिंदा वस्तुओं पर जवाबी टैरिफ लगाने की स्थिति में है।

अपने प्रभावित क्षेत्रों को घरेलू स्तर पर सब्सिडी देकर प्रोत्साहन देकर मजबूत स्थिति में बनाए रख सकता है। बहरहाल, चुनौती बड़ी है, जिसे अवसर में तब्दील करने की क्षमता भारत में है।

भारत का आर्थिक मंथन और विकास का अमृत

हरदीप एस. पुरी

भारतीय सभ्यतामें अरसे से यह मान्यता रही है कि कामयाबीसे पहलेपरीक्षाहोती है। समुद्र मंथन, जहांमथने की प्रकिया से अमृत निकला था,इसी तरहहमारे आर्थिक मंथन ने भी हमेशा ही नवीनता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्ष1991के संकट से जहां उदारीकरण का जन्म हुआ; वहीं महामारी से डिजिटल उपयोग तेज हुआ।और आज, भारत को एक मृत अर्थव्यवस्था कहने वाले संशयवादियों के शोर-शराबे के बीच-तीव्र विकास, मजबूत बफर, और व्यापक अवसर - की एक तथ्यपरक कहानी उभर कर सामने आई है।

जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर जरागौर करें। वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी। यह वृद्धि दरपिछली पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह वृद्धि व्यापक हैः सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 7.6 प्रतिशत बढ़ा है, जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग 7.7 प्रतिशत, निर्माण 7.6 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र लगभग 9.3 प्रतिशतबढ़ा है। नॉमिनल जीडीपी में 8.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह कोईमनमाने तरीके से बताई गई तेजी नहीं है।यह बढ़ते उपभोग, मजबूत निवेश और निरंतरसार्वजनिक पूंजीगत व्यय वपूरी अर्थव्यवस्था में लागत कम करने वाले लॉजिस्टिक्स संबंधी सुधारों से हासिल नतीजोंका सबूत है।

भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह तेजी के मामले में दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं क्रमशःअमेरिका और चीनसे भी आगे निकल गई है। वर्तमान गति से, हम इस दशक के अंत तक जर्मनी को पीछे छोड़कर बाजार-विनिमय के संदर्भ में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। हमारी गति वैश्विक स्तर पर मायने रखती है।स्वतंत्र अनुमान बताते हैं कि भारत पहले से ही वैश्विक वृद्धि में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री ने एक स्पष्ट लक्ष्यरखा है —सुधारों के मजबूत होने और नई क्षमताओं के सामने आने के साथ-साथ वैश्विक वृद्धि में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंचे।

विभिन्न बाजारों और रेटिंग एजेंसियों ने हमारे इस अनुशासन को मान्यता दी है। एसएंडपी ग्लोबल ने मजबूत विकास, मौद्रिक विश्वसनीयता और राजकोषीय सुदृढ़ीकरण का हवाला देते हुए, 18 वर्षों में पहली बार भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' को उन्नत किया है। इस अपग्रेड से उधार लेने की लागत कम होती है और निवेशक आधार का विस्तार होता है। यह मृत अर्थव्यवस्था की धारणा को भी झुठलाता है। जोखिम के स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ताओं ने अपनी रेटिंग के साथ अपना मत दिया है।

उतना ही महत्वपूर्ण सवाल यह भी है कि आखिर इस सबका लाभ किसे मिला है। वर्ष 2013-14 और 2022-23 के बीच, 24.82 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबीसे बाहर निकल आए हैं। यह बदलाव उन बुनियादी सेवाओं - बैंक खाते, रसोई के लिए स्वच्छ ईंधन, स्वास्थ्य बीमा, नल का जलऔर प्रत्यक्ष हस्तांतरण - की बड़े पैमाने पर आपूर्ति पर निर्भर है जो गरीबों को विकल्प चुनने का अधिकार देता है। दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र और उल्लेखनीय जनसांख्यिकीय चुनौतियों के बीच विकास का यह पैमाना बेहद खास है। विकास का भारत का यह मॉडल आम सहमति के निर्माण, प्रतिस्पर्धी संघवाद और डिजिटल माध्यमों के उपयोग से अंतिम छोर तक सेवा प्रदान करने को महत्व देता है। यह घोषणा के मामले में धीमा,क्रियान्वयन के मामले में तेज और निर्माण की दृष्टि से टिकाऊ है। जब आलोचक हमारी तुलना तेज भागने वाले सत्तावादियों से करते हैं, तो वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं किहम मैराथन धावक की तर्ज पर लंबी दूरी तय करने वाली एक अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री के रूप में, मैं इस बात की पुष्टि कर सकता हूं कि हमारी ऊर्जा सुरक्षा इस तीव्र विकास में किस प्रकार सहायक की भूमिका निभा रहीहै। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता, चौथा सबसे बड़ा तेलशोधक (रिफाइनर) और एलएनजी का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। हमारी तेलशोधन (रिफाइनिंग) क्षमता 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन से अधिक हैऔर इस दशक के अंत तक इसे 400 मिलियनटन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से आगे बढ़ाने का एक स्पष्ट रोडमैप हमारे पास उपलब्ध है। भारत की ऊर्जा संबंधी मांग - जो 2047 तक दोगुनी होने का अनुमान है - बढ़ती वैश्विक मांग का लगभग एक-चौथाई हिस्सा होगी, जिससे हमारी सफलता वैश्विक ऊर्जा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण बन जाएगी। सरकार का दृष्टिकोण सुरक्षा को सुधार के साथ जोड़ने का रहा है। तेल की खोज का क्षेत्र 2021 में तलछटी घाटियों के 8 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 16 प्रतिशत से अधिक हो गया है। हमारालक्ष्य2030 तक इसे बढ़ाकर 10 लाख वर्ग किलोमीटर करना है। तथाकथित 'निषिद्ध' (नो-गो)क्षेत्रों में 99 प्रतिशत की भारी कमी ने अपार संभावनाओं को जन्म दिया है, जबकि ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (ओएएलपी)पारदर्शी वप्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया सुनिश्चित करती है। गैस मूल्य निर्धारण से संबंधी नए सुधारों - जिनमें कीमतों को भारतीय कच्चे तेल की टोकरी से जोड़ा गया है और गहरे पानी एवं नए कुओं के लिए 20 प्रतिशत प्रीमियम की पेशकश की गई है - ने निवेश को बढ़ावा दिया है।

हमारी ऊर्जा की कहानी सिर्फ हाइड्रोकार्बन की ही नहीं,बल्कि बदलाव की भी कहानी है। वर्ष 2014 में इथेनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत से बढ़कर आज 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत के बराबर हो गईहै और किसानों को सीधे एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है। सतत के तहत 300 से ज़्यादा संपीड़ित बायोगैस संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिनका लक्ष्य 2028 तक 5 प्रतिशत मिश्रण का है और तेल से जुड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर कुछ जगहों में काफी शोरगुलहुआ है। आइए तथ्यों को इस शोरशराबे से अलग करके देखें। रूस की तेल पर ईरान या वेनेज़ुएला के कच्चे तेल की तरह कभी प्रतिबंध नहीं लगाया गया।यह जी7/ईयूमूल्य-सीमा प्रणाली के अंतर्गत है जिसे जानबूझकर राजस्व को सीमित रखते हुए तेल प्रवाह को बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया है। ऐसे पैकेजों के 18 दौर हो चुके हैंऔर भारत ने हरेक दौर का पालन किया है। प्रत्येक लेनदेन में कानूनी लदान(शिपिंग)एवं बीमा, अनुपालन करने वाले व्यापारियों और लेखा-परीक्षण (ऑडिट) किए गए चैनलों का उपयोग किया गया है। हमने कोई नियम नहीं तोड़े हैं।हमने बाजारों को स्थिर किया है और वैश्विक कीमतों को बढ़ने से रोका है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

यूसीसी के दायरे में नहीं आएंगे आदिवासी, किरेन रिजिजू बोले- अपनी पारंपरिक व्यवस्था के अनुसार जिएंगे

नई दिल्ली,04 सितंबर (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को स्पष्ट किया कि पूर्वोत्तर और अन्य क्षेत्रों के आदिवासियों को प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के दायरे से बाहर रखा जाएगा ताकि वे अपनी पारंपरिक व्यवस्था के अनुसार स्वतंत्रता से जीवन जी सकें।आरएसएस से जुड़े वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कुछ लोग इंटरनेट मीडिया पर एक असामान्य माहौल बना रहे हैं और केंद्र सरकार के खिलाफ नैरेटिव गढ़ रहे हैं।उन्होंने कहा- केंद्रीय मंत्री के रूप में मैं अपनी सरकार का दृष्टिकोण साझा करना चाहता हूं। हमारी सरकार और भाजपा संविधान के अनुसार समान नागरिक संहिता लाने पर विचार कर रही है। जब फौजदारी कानून सभी के लिए समान है तो नागरिक कानून भी सभी के लिए समान क्यों नहीं होना चाहिए। रिजिजू ने कहा कि कुछ राज्यों ने इस दिशा में कदम उठाना शुरू कर दिया है, लेकिन आदिवासियों को इससे छूट दी जाएगी। उन्होंने कहा- आदिवासियों को अपने तरीके से जीने की आजादी दी जानी चाहिए। यह समान नागरिक संहिता अनुसूची-6, अनुसूची-5, पूर्वोत्तर और अन्य आदिवासी क्षेत्रों में लागू नहीं होगी। यूसीसी पर वर्तमान में विधि आयोग विचार कर रहा है, जबकि उत्तराखंड ने इसे लागू कर दिया है। भगवान बिरसा मुंडा भवन में जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर रिजिजू ने कांग्रेस पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए कहा कि पहले दिल्ली में आदिवासियों के लिए कोई बड़ा संस्थान नहीं था।उस समय केंद्र की मंत्रिपरिषद में आदिवासी समुदायों के निर्वाचित सांसदों का प्रतिनिधित्व भी अपर्याप्त था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आदिवासियों के कल्याण के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की।

चामुंडेश्वरी मंदिर पर सियासत तेज, भाजपा ने कांग्रेस पर लगाया तुष्टिकरण का आरोप, प्रदर्शन की चेतावनी

नई दिल्ली,04 सितंबर(एजेंसी)। कर्नाटक के वरिष्ठ भाजपा नेता आर. अशोक ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार हिंदू धार्मिक स्थलों को एक टूलकिट के तहत निशाना बना रही है। डीके शिवकुमार का चामुंडी पर्वत व प्रसिद्ध चामुंडेश्वरी मंदिर के लिए यह कहना कि ये केवल हिंदुओं का नहीं है, निश्चित रूप से कांग्रेस की गलत मंशा को बताता है।विपक्ष के नेता आर. अशोक ने चामुंडेश्वरी मंदिर का दौरा करने के बाद देवी के प्रति प्रार्थना की और कांग्रेस सरकार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी। अशोक ने रविवार को यहां पत्रकारों से पूछा, कांग्रेस सरकार ने कहा है कि चामुंडेश्वरी मंदिर केवल हिंदुओं का नहीं है। तो मेरा सवाल सरकार से है, अगर यह हिंदुओं का नहीं है, तो किसका है। अगर आपके पास हिम्मत है, तो क्या आप किसी मस्जिद के सामने जाकर कहेंगे कि यह मुसलमानों का नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदू धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है और कहा कि सबरीमाला, तिरुपति, धर्मस्थल के बाद अब चामुंडी पर्वत का नंबर है। कांग्रेस पर मतदाता बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति में लिप्त होने का आरोप लगाते हुए अशोक ने कहा कि चामुंडी पहाड़ी और मंदिर केवल हिंदुओं का नहीं है, यह अत्यंत निंदनीय है।उन्होंने कहा, हम धर्मस्थल के खिलाफ महज अभियान और साजिश के खिलाफ धर्मस्थल चलो रैली का आयोजन कर रहे हैं। यह सरकार यह रुख अपनाती है कि चामुंडेश्वरी मंदिर केवल हिंदुओं का नहीं है, तो हम यहां चामुंडेश्वरी देवस्थान चलो रैली का आयोजन करेंगे। यह एक हिंदू धार्मिक केंद्र है। अगर इसका अपमान किया गया, तो हिंदू इसे सहन नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि हिंदुओं ने अयोध्या राम मंदिर के लिए 500 वर्षों तक संघर्ष किया और अब वहां मंदिर का निर्माण हो चुका है। भाजपा के विधायक दल के नेता ने चेतावनी दी, %%अगर चामुंडेश्वरी मंदिर को आपके टूलकिट का हिस्सा बनाकर निशाना बनाया गया, तो आपकी (कांग्रेस) समाप्ति यहीं से शुरू होगी। सावधान रहें।तो मेरा सवाल सरकार से है, अगर यह हिंदुओं का नहीं है, तो किसका है। अगर आपके पास हिम्मत है, तो क्या आप किसी मस्जिद के सामने जाकर कहेंगे कि यह मुसलमानों का नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदू धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है और कहा कि सबरीमाला, तिरुपति, धर्मस्थल के बाद अब चामुंडी पर्वत का नंबर है।

तमक में टूटा आरसीसी पुल, कई जगहों पर आवागमन हुआ ठप, लोगों को हो रही परेशानी

गोपेश्वर, 04 सितम्बर [एजेंसी]। मलारी नीति घाटी के ग्रामीणों की मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। तमक नाले में एक बार फिर आरसीसी पुल बहने से नीति मलारी घाटी की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई है। स्थानीय लोगों के साथ सेना, आईटीबीपी को भी परेशानी हो रही है। हालांकि, तीन दिन से लाता के पास भूस्खलन से बंद हाईवे शनिवार देर शाम को सुचारू हो गया है। बताया गया कि इस नाले में पूर्व में भी दो बार पुल पानी का जलस्तर बढने से टूट चुका है।शनिवार रात्रि अतिवृष्टि से ज्योतिर्मठ से 35 किलोमीटर दूर तमक नाले में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। इस दौरान ज्योतिर्मठ नीति मलारी हाईवे पर तमक नाले में आरसीसी पुल बह गया। तमक नाले में जलस्तर बढ़ने से तीन आवासीय भवन भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। मलारी नीति घाटी में वाहनों सहित पैदल आवाजाही बंद है।जिलाधिकारी डॉ. संदीप तिवारी ने बताया कि मौके पर पैदल व वाहनों की आवाजाही के लिए बीआरओ को तत्काल

कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। बीआरओ कमांडर कर्नल अंकुर महाजन ने कहा कि मौके का निरीक्षण किया जा चुका है। ह्यूम पाइप डालकर नाले में पैदल व वाहनों की आवाजाही का कार्य किया जा रहा है। दो दिन में वाहनों की आवाजाही सुचारु करने का प्रयास किए जाएंगे। कहा कि पुल के एबेडमेंट सुरक्षित है लिहाजा बेली ब्रिज बनाया जा रहा है।दो सप्ताह में बेली ब्रिज को जोड़कर हाईवे पर स्थाई आवाजाही के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल नीति, मलारी, बंपा, कैलाशपुर, कोषा सहित 12 से अधिक गांवों की आवाजाही प्रभावित हुई है। बताया गया कि सेना के वाहन भी हाईवे खुलने का इंतजार कर रहे हैं।चमोली जिले में आए दिन रात्रि को हो रही वर्षा के चलते बदरीनाथ हाईवे आए दिन बाधित होने से तीर्थयात्रियों के साथ स्थानीय नागरिकों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। रविवार तड़के से बदरीनाथ हाईवे नंदप्रयाग, पीपलकोटी भनेरपानी, पागलनाला में अवरुद्ध हो गया था।इस दौरान तीर्थयात्रियों को घंटों हाईवे खुलने का इंतजार करना पड़ा। तड़के से ही हाईवे खोलने का कार्य जारी रहा, जिसके बाद पीपलकोटी भनेरपानी में साढे नौ बजे, पागलनाला में 10 बजे व नंदप्रयाग के पास 12.30 बजे हाईवे यातायात के लिए सुचारू किया गया।जिले में हो रही रात्रि वर्षा के चलते 54 ग्रामीण लिंक मार्ग बंद हैं, जिसके चलते ग्रामीण मीलों पैदल चलने को विवश हैं।दो दिन में वाहनों की आवाजाही सुचारु करने का प्रयास किए जाएंगे। कहा कि पुल के एबेडमेंट सुरक्षित है लिहाजा बेली ब्रिज बनाया जा रहा है।दो सप्ताह में बेली ब्रिज को जोड़कर हाईवे पर स्थाई आवाजाही के प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल नीति, मलारी, बंपा, कैलाशपुर, कोषा सहित 12 से अधिक गांवों की आवाजाही प्रभावित हुई है। बताया गया कि सेना के वाहन भी हाईवे खुलने का इंतजार कर रहे हैं।चमोली जिले में आए दिन रात्रि को हो रही वर्षा के चलते बदरीनाथ हाईवे आए दिन बाधित होने से तीर्थयात्रियों के साथ स्थानीय नागरिकों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। रविवार तड़के से बदरीनाथ हाईवे नंदप्रयाग, पीपलकोटी भनेरपानी, पागलनाला में अवरुद्ध हो गया था।इस दौरान तीर्थयात्रियों को घंटों हाईवे खुलने का इंतजार करना पड़ा। तड़के से ही हाईवे खोलने का कार्य

जारी रहा, जिसके बाद पीपलकोटी भनेरपानी में साढे नौ बजे, पागलनाला में 10 बजे व नंदप्रयाग के पास 12.30 बजे हाईवे यातायात के लिए सुचारू किया गया।जिले में हो रही रात्रि वर्षा के चलते 54 ग्रामीण लिंक मार्ग बंद हैं, जिसके चलते ग्रामीण मीलों पैदल चलने को विवश हैं।

लाखों लोग बेघर, 33 की मौत व 2200 गांव हुए प्रभावित

बहावलपुर, 04 सितम्बर [एजेंसी]। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मानसून का कहर जारी है। भारी बारिश और बाढ़ ने 33 लोगों की जान ले ली है और 2,200 गांवों को प्रभावित किया है। 7,00,000 से ज्यादा लोगों को अपना घर खाली करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।पंजाब प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के महानिदेशक इरफान अली काठिया ने कहा कि प्रांत अपने इतिहास की सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगले 24 घंटे में पाकपट्टन, बहावलनगर और वेहारी तक 1,35,000 क्यूसेक पानी पहुंचने की उम्मीद है, जिससे एहतियातन और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

बाढ़ का पानी बढ़ने के साथ ही बहावलनगर और बहावलपुर जैसे प्रभावित जिलों के ग्रामीण सुरक्षित इलाकों की ओर पलायन कर रहे हैं। ट्रीमून बैराज पर 361,633 क्यूसेक का बहाव है, जो काफी कम समय में 100,000 क्यूसेक की

अचानक वृद्धि दर्शाता है।स्थानीय और प्रांतीय अधिकारी बाढ़ को नियंत्रित करने और प्रभाव को कम करने के लिए रणनीतिक रूप से तटबंधों को तोड़ रहे हैं। पीडीएमए ने बताया कि पंजाब भर में लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में राहत दल काम कर रहे हैं।इंसानों के अलावा हजारों पशुओं को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इस बीच, सिंध के वरिष्ठ मंत्री शारजील इनाम मेमन ने कहा कि बाढ़ के कारण प्रांत के 1,657 गांवों के 16 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो सकते हैं।

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में किया अभ्यास युद्ध कौशल 3.0, कठिन जलवायु परिस्थितियों में तैयारी का किया आंकलन

नई दिल्ली, 04 सितम्बर [एजेंसी]। भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के कामेंग क्षेत्र में सैन्य अभ्यास किया। रक्षा प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों और कठिन जलवायु परिस्थितियों में युद्ध की तैयारी के आकलन के लिए यह अभ्यास युद्ध कौशल 3.0 किया गया।लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने कहा कि शनिवार को संपन्न युद्ध कौशल 3.0 ने उन्नत तकनीक, इनोवेशन और सैनिकों की पेशेवर उत्कृष्टता का उल्लेखनीय तालमेल प्रदर्शित किया। इस अभ्यास से मानवरहित प्रणालियों और सटीक हथियारों जैसी उभरती तकनीकों को अपनाने की सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।इस अभ्यास ने ड्रोन निगरानी, रियल टाइम लक्ष्य प्राप्ति, सटीक हमले, हवाई-तटीय प्रभुत्व और समन्वित युद्धाभ्यास के प्रदर्शनों के साथ बहु-डोमेन (जमीन, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष और साइबर जैसे कई

क्षेत्रों) वातावरण में काम करने की सेना की क्षमता को रेखांकित किया। लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने कहा कि अभ्यास का एक प्रमुख आकर्षण नवगठित एएसएचएनआई प्लाटूनों का शामिल किया जाना था। इसने प्रदर्शित किया कि किस तरह अगली पीढ़ी की तकनीक, युद्ध-प्रशिक्षित रणनीतियों के साथ सहज रूप से भविष्य के संघर्षों में निर्णायक बढ़त मिल सकती है। इस सहयोग ने प्रदर्शित किया कि कैसे स्वदेशी रक्षा नवाचार राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत कर रहा है और आत्मनिर्भरता को बढ़ा रहा है।इस अभ्यास से मानवरहित प्रणालियों और सटीक हथियारों जैसी उभरती तकनीकों को अपनाने की सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।इस अभ्यास ने ड्रोन निगरानी, रियल टाइम लक्ष्य प्राप्ति, सटीक हमले, हवाई-तटीय प्रभुत्व और समन्वित युद्धाभ्यास के प्रदर्शनों के साथ बहु-डोमेन (जमीन, समुद्र, वायु, अंतरिक्ष और साइबर जैसे कई क्षेत्रों) वातावरण में काम करने की सेना की क्षमता को रेखांकित किया। लेफ्टिनेंट कर्नल रावत ने कहा कि अभ्यास का एक प्रमुख आकर्षण नवगठित एएसए चएनआई प्लाटूनों का शामिल किया जाना था। इसने प्रदर्शित किया कि किस तरह अगली पीढ़ी की तकनीक, युद्ध-प्रशिक्षित रणनीतियों के साथ सहज रूप से

बेंगलुरु में लिव इन पार्टनर को जिंदा जलाया

बेंगलुरू, 04 सितम्बर [एजेंसी]।कर्नाटक के बेंगलुरु में लिव-इन पार्टनर की जिंदा जलाकर हत्या का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। आरोपित ने पहले कार सवार लिव-इन पार्टनर का पीछा किया। फिर सिग्नल पर गाड़ी रुकवाकर पेट्रोल छिड़क दिया। घटना शनिवार की है।कार में कुल तीन लोग सवार थे। महिला कार से निकलकर भागी तो आरोपित ने उसका पीछा किया। उस पर और पेट्रोल डाला और लाइटर से उसे आग लगा दी। महिला 60 प्रतिशत झुलस चुकी थी। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपित 50 वर्षीय विट्ठल एक कैब ड्राइवर और शराब पीने का आदी है। मृतक महिला का नाम वनजाक्षी था।

यूनुस की दमनकारी नीतियों से बांग्लादेश में फिर बिगड़ सकते हैं हालात, रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 04 सितम्बर [एजेंसी]। बांग्लादेश में शेख हसीना की सत्ता को उखाड़ फेंकने के बाद लोगों ने सोचा होगा कि वह इससे बेहतर देश बनाएंगे। हालांकि, लगभग एक वर्ष बाद वहां के हालात बेहतर होने के बजाय बदतर होते जा रहे हैं। यूनुस की अंतरिम सरकार की त्रासदी यह है कि उसकी

छवि कितनी जल्दी धूमिल हो गई। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां कभी हसीना के पतन के बाद देश को सुधारने की बातें हो रही थीं, वहीं अब अविश्वास और गहराता जा रहा है।रविवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार अपने ही लोगों के दमन के आरोपों का सामना कर रही है। कई मानवाधिकार संगठनों, पत्रकार और शिक्षाविद ने इस पर चिंता जाहिर की है। राजनीतिक और सुरक्षा विश्लेषक क्रिस ब्लैकबर्न ने डिजिटल पोर्टल नैरेटिवा 360 के लिए एक लेख में लिखा कि अब सहानुभूति रखने वाली अंतरराष्ट्रीय आवाजें भी सवाल उठा रही हैं कि क्या यूनुस का बांग्लादेश हसीना के बांग्लादेश से कम सत्तावादी है। उन्होंने लिखा, तथाकथित विद्रोह नाकामी में बदल गया है। जनता में जोश भरने या लोकतांत्रिक सुधार की नींव रखने के बजाय यूनुस ने छात्र प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों और राजनीतिक आयोजकों पर दंगा पुलिस का इस्तेमाल किया है। जवाबदेही के नए दौर की शुरुआत करने के बजाय यह दमन, पुलिस हिंसा और खोखली बयानबाजी की कहानी में बदल गया है। पिछले एक पखवाड़े में ही प्रदर्शनकारियों पर हमले और छात्रों के साथ क्रूर व्यवहार देखा गया है। ब्लैकबर्न ने कहा कि एक समय विदेशी पर्यवेक्षकों द्वारा शेख हसीना के अधिनायकवादी रुख को सुधारने के लिए की गई प्रशंसा के बाद यूनुस ने दमन की उन्हीं रणनीतियों को अपना लिया है, जिनसे वह घृणा करते थे।

घर वाले छिपा रहे थे मानवी की मौत की बात, गुड मॉर्निंग के मैसेज ने खोल दिया पूरा राज

हरदोई, 04 सितम्बर [एजेंसी]। अलियापुर में मानवी की गोली लगने से संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत में उसके घरवालों का कहना है कि वह पीसीएस की तैयारी कर रही थी, दो वर्ष से उसका दिमागी संतुलन ठीक नहीं था और उसी के चलते उसने तमंचा से गोली मारकर जान दे दी। घरवाले भले ही उसकी मौत छिपा रहे थे, लेकिन गुड मार्निंग के मैसेज ने पूरा मामला खोल गया।मानवी से प्रेम विवाह करने वाले अभिनव के पास जब उसका मैसेज नहीं पहुंचा तो उसने पुलिस को सूचना दी। अब मानवी ने बीमारी के चलते खुद जान दी या फिर कुछ अनहोनी हुई यह तो जांच के बाद ही सामने आएगा। प्रतियोगी परीक्षाओं की

तैयारी करने वाली मानवी मिश्रा पांडेपुर कोचिंग पढ़ने जाती थी। वहीं पर अभिनव कटियार से जान पहचान हो गई। इसी बीच दोनों में हुए प्रेम प्रसंग में दोनों ने सात जनवरी 2025 को प्रेम विवाह कर लिया था। अभिनव की बतौर सरकारी शिक्षक नौकरी भी लग गई। मानवी तैयारी करती रही।अभिनव का कहना है कि शादी के बाद वह मानवी को अपने साथ रखना चाहता था और उसी के लिए उसने सुरक्षा की मांग की थी। हालांकि बाद में घरवालों की शादी कर देने के आश्वासन पर मानवी अपने माता पिता के पास ही रहती रही। इस बीच रोजाना दोनों की काफी देर तक बातचीत होती रहती थी। दोनों लोगों ने तय कर रखा था कि जो भी सुबह जल्दी उठ जाएगा वह एक दूसरे को गुड मार्निंग मैसेज करेगा। दूसरा उसका जवाब देगा। अभिनव के अनुसार 16 जुलाई को उसने मानवी की मां से भी बात की थी, तो भी उन्होंने दिसंबर में शादी की बात कही थी, लेकिन उसे नहीं पता था कि इस बीच में ऐसा कुछ हो जाएगा, जिसमें मानवी की जान चली जाएगी।अभिनव ने बताया कि शनिवार को उसके विद्यालय में एक शिक्षक का विदाई समारोह था, जिसमें वह देर रात तक शामिल रहा। फिर घर आकर उसने मानवी से वीडियो कॉल की और काफी देर बात होती रही और फिर सो गया।रविवार को अवकाश था तो वह देर से उठा। आठ बजे तक देखा तो मानवी का कोई मैसेज नहीं था। उसी के बाद उसने फोन किया तो मोबाइल बंद मिला तो पुलिस को सूचना दी।

जब पुलिस पहुंची तो घटना पता चली।घरवालों ने पुलिस को बताया कि मानवी ने खुद को गोली मार ली, जिसे देखकर घबरा गए थे, पुलिस को सूचना करने वाले ही थे कि पुलिस आ गई। थाना प्रभारी सोमपाल गंगवार ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

अवैध मतांतरण के खिलाफ विधानसभा में बिल पेश करेगी राजस्थान सरकार, ये होंगे प्रविधान

जयपुर, 04 सितम्बर [एजेंसी]। राजस्थान सरकार सोमवार से शुरू होने वाले विधान सभा सत्र में अवैध मतांतरण रोकने के लिए सख्त विधेयक पेश करेगी। प्रस्तावित कानून में कठोर दंड के प्रविधान हैं।इसमें सामान्य मामलों में सात से 14 वर्ष जेल व न्यूनतम पांच लाख रुपये का जुर्माना, सामूहिक मतांतरण के मामले में 20 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास व न्यूनतम 25 लाख जुर्माना और अपराध दोहराने वाले को आजीवन कारावास व कम से कम 50 लाख रुपये का जुर्माना प्रस्तावित है। मतांतरण के उद्देश्य से होने वाली शादी अमान्य होगी। ये सभी अपराध गैर जमानती होंगे। पूर्वजों के धर्म में लौटना परिवर्तन नहीं माना जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में रविवार

को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस मसौदे को मंजूरी दी गई। कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि वर्तमान में राजस्थान में अवैध मतांतरण रोकने के लिए कोई विशेष कानून नहीं है। पहले के सत्र में पेश विधेयक वापस लिया जाएगा। प्रस्तावित कानून में नाबालिगों, महिलाओं, दिव्यांगों या एससी-एसटी मामलों में 10 से 20 वर्ष जेल और न्यूनतम 10 लाख रुपये का जुर्माना होगा।विदेशी या अनधिकृत फंडिग स्वीकार करने पर 10 से 20 वर्ष जेल और कम से कम 20 लाख रुपये का जुर्माना होगा। अवैध मतांतरण में शामिल संस्थानों का पंजीकरण रद किया जा सकता है और अनुदान वापस लिए जा सकते हैं। मतांतरण के लिए उपयोग की जाने वाली संपत्तियों को जब्त या ध्वस्त किया जा सकता है। मंत्रिमंडल बैठक के बाद भाजपा विधायकों की बैठक हुई।इसमें मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन में भाजपा और कांग्रेस के विधायकों में अंतर नजर आना चाहिए। सदन में जनता से जुड़े मुद्दे उठाने के साथ ही सरकार के फैसलों को भी बताया जाए। कांग्रेस विधायक दल की बैठक सोमवार को होगी। बता दें कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात में भाजपा सरकारों ने अवैध मतांतरण

बालोद की फ्लाई ऐश ईंट फैक्ट्री में बड़ा हादसा-मशीन की सफाई करते समय महिला मजदूर फंसी, दोनों पैर फैक्चर और तीन उंगलियां कटी

बालोद,04 सिंतबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में रविवार सुबह फ्लाई ऐश ईंट फैक्ट्री में बड़ा हादसा हो गया। बालोद थाना क्षेत्र के ग्राम परसोदा (झलमला) स्थित गंगोत्री फ्लाई ऐश फैक्ट्री में काम कर रही महिला मजदूर मशीन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई ।दल्लीराजहरा इंदिरा नगर वार्ड क्रमांक 27 निवासी रूपा मंडावी (47) एक महीने पहले ही इस फैक्ट्री में काम करने आई थी। रविवार सुबह करीब 7.30 बजे वह मशीन की सफाई कर रही थी। इसी दौरान अचानक उसका पैर हाइड्रोलिक मशीन में फंस गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

दोनों पैर फैक्चर, तीन उंगलियां कटी

जिला अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों के अनुसार, महिला को गंभीर चोटें आई हैं। समय पर अस्पताल लाने से उसकी जान बच गई। दोनों पैरों में फैक्चर है और तीन उंगलियां कट गई हैं। हालत नाजुक होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल से बाहर रेफर कर दिया गया है। मजदूरी के लिए फैक्ट्री पहुंची थी

घायल रूपा मंडावी ने बताया कि उनका एक बेटा और एक बेटी राजहरा में रहते हैं। परिवार चलाने के लिए वह मजदूरी करने गंगोत्री फ्लाई ऐश फैक्ट्री आई थी। उन्होंने सोचा कि मशीन बंद है और सफाई करने लगीं, तभी अचानक पैर फंस गया और हादसा हो गया। हादसे के बाद फैक्ट्री मालिक उन्हें इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल शिफ्ट करवाया।

बालोद में मवेशियों की लड़ाई में हादसा: गणेश-पंडाल के पास खड़े बच्चे समेत 4 लोग घायल, मासूम का दांत टूटा, आंख के पास आई चोट

बालोद,04 सितंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के दल्लीराजहरा में दो बैलों की लड़ाई ने गणेश पंडाल के पास खड़े लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। टकराते हुए बैल पंडाल के सामने पहुंचे और वहां खड़े 13 महीने के मासूम समेत 4 लोगों को घायल कर दिया। अचानक हुए हमले से आसपास मौजूद लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत दल्लीराजहरा अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना में वार्ड क्रमांक-22 निवासी राकेश देवांगन का बेटा युगार्थ (13 माह), सौम्या (13 वर्ष), बसंती बाई (70 वर्ष) और गोकुल ठाकुर (45 वर्ष) घायल हुए हैं। मासूम युगार्थ के आंख के पास गंभीर चोट आई है और एक दांत भी टूट गया। जबकि अन्य तीनों को भी चोटें लगी हैं। सभी का इलाज जारी है।गली-मोहल्लों में बैठे रहते हैं मवेशियों के झुंडस्थानीय निवासी राकेश देवांगन का कहना है कि गली-मोहल्लों और मुख्य मार्गों पर मवेशियों का झुंड रोजाना बैठा रहता है। आए दिन लोग इनकी वजह से घायल हो रहे हैं। सरकार को इन्हें सुरक्षित स्थान पर रखने के लिए ठोस योजना बनानी चाहिए ताकि आमजन हादसों से बच सकें।

20 दिन पहले भी तीन युवक हुए थे घायलयह कोई पहला मामला नहीं है। 20 दिन पहले दल्लीराजहरा के जैन भवन के पास एक्सिस बैंक के सामने भी दो बैल आपस में भिड़ गए थे। उस दौरान बाइक सवार तीन युवक इनकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिनमें से दो को रेफर करना पड़ा। तीनों युवक अपने गांव पिनकापार लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ था।

बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा व स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

सुकमा ,04 सिंतंबर (एजेंसी)। पीएम स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सुकमा में बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान एवं बालिका सुरक्षा माह अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलेक्टर एवं जिला बाल संरक्षण समिति अध्यक्ष देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी शिवदास नेताम के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के सहयोग से संपन्न हुआ।इस अवसर पर छात्राओं को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारियां दी गईं। साथ ही बाल विवाह, पॉक्सो एक्ट, बाल श्रम व तस्करी, शालात्यागी बालिकाएं, गुड टच-बैड टच, ऑनलाइन फ्रेंडशिप के खतरे और बचाव जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को वीडियो माध्यम से जागरूक किया गया तथा जीवन में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए सुरक्षित और सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी सुमनीषा शर्मा, चाइल्ड हेल्पलाइन काउंसलर श्रीमती लखेश्वरी, सुपरवाइजर अमित नाग एवं मुडा पोडियामी, विद्यालय के प्राचार्य पी. अनिल एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।इस अवसर पर छात्राओं को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारियां दी गईं। साथ ही बाल विवाह, पॉक्सो एक्ट, बाल श्रम व तस्करी, शालात्यागी बालिकाएं, गुड टच-बैड टच, ऑनलाइन फ्रेंडशिप के खतरे और बचाव जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को वीडियो माध्यम से जागरूक किया गया

बालोद में चलती बस में बेहोश हुआ ड्राइवर:कंडक्टर ने लगाई ब्रेक, पेड़ से टकराई, 5 घायल, यात्रियों ने कहा-बस पहले से खराब थी

बालोद,04 सिंतबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में रविवार शाम बड़ा हादसा टल गया। दुर्ग जा रही एक यात्री बस का ड्राइवर अचानक बेहोश हो गया। कंडक्टर ने तुरंत ब्रेक लगाया, लेकिन बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में ड्राइवर सहित 5 यात्री घायल हो गए।

घायलों को 108 एंबुलेंस से गुंडरदेही अस्पताल लाया गया। जहां उनका इलाज जारी है।गुंडरदेही पुलिस के अनुसार दल्लीराजहरा से दुर्ग जा रही पायल बस सर्विस शाम 4.45 बजे बालोद-दुर्ग मुख्य मार्ग पर सिकोसा गांव के पास हादसे का शिकार हुई। घायलों में बस ड्राइवर गुंडरदेही निवासी गिरधारी निर्मलकर (40) और पटेली (डौंडी) से ग्वालियर जा रहे यात्री अनिल शर्मा(45) शामिल हैं। तीन अन्य यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जो प्राथमिक इलाज के बाद घर लौट गए।चलती बस में ड्राइवर हुआ बेहोश प्रत्यक्षदर्शी वीरेंद्र साहू ने बताया कि सामने बैठे यात्रियों ने देखा कि ड्राइवर अचानक बेहोश हो गया। हादसे के बाद जब यात्रियों ने उसे बाहर निकाला, तब भी वह होश में नहीं था। गुंडरदेही टीआई मनीष शेंडे ने कहा कि यात्रियों के अनुसार ड्राइवर की तबीयत बिगड़ने से हादसा हुआ। फिलहाल उसके स्वास्थ्य की जांच कराई जा रही है।

पुलिस का कहना है कि बीपी, शुगर या अचानक ब्लड प्रेशर बढ़ने जैसी वजह से भी ऐसी स्थिति हो सकती है। मामले की जांच की जा रही है।खराब बस को ले जा रहे थे दुर्ग - यात्रीयात्री अनिल शर्मा ने बताया कि बस लाटाबोड़ से ही खराब चल रही थी। पीछे के चक्के का पट्टा टूटा होने की आशंका यात्रियों ने जताई थी। बस एक ओर झुककर चल रही थी। लेकिन ड्राइवर ने धीरे-धीरे बस दुर्ग की ओर बढ़ा दी। हादसे के वक्त बस की स्पीड कम थी। इसलिए बड़ा हादसा टल गया।

पोटा केबिन एवं छात्रावासों का औचक निरीक्षण, बच्चों की सुविधाओं पर प्रशासन सख्त

सुकम,04 सिंतबर (एजेंसी)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार शनिवार को कोंटा विकासखंड के पोटा केबिनों एवं आरएमएसए छात्रावास का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल का नेतृत्व डिप्टी कलेक्टर सुनिधि प्रधान ने किया, जिसमें एपीसी आशीष राम एवं बीआरसी वीरभद्र राव सम्मिलित रहे।डिप्टी कलेक्टर सुनिधि प्रधान ने पोटा केबिन पैदाकुरती, एर्राबोर, कोंटा एवं मरईगुड़ा का निरीक्षण कर बच्चों के भोजन, शयनकक्ष, भवन की स्थिति, किचन व मेस हॉल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही शिक्षक एवं अनुदेशकों की उपस्थिति पंजी, चखना पंजी व मेस पंजी की जांच कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त कक्ष, शौचालय, बाउंड्री वॉल एवं मरम्मत कार्य की जरूरतों की जानकारी ली गई। अधिकारियों ने बच्चों, शिक्षकों एवं अनुदेशकों से सीधे संवाद कर उनकी माँग आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की।कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा, सुविधा और गुणवत्तापूर्ण व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।किचन व मेस हॉल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही शिक्षक एवं अनुदेशकों की उपस्थिति पंजी, चखना पंजी व मेस पंजी की जांच कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

हिमालय अभियान पर निकली जशपुर की युवा टीम

रायपुर,04 सिंतबर (एजेंसी)। जशपुर जिले से एक विशेष पर्वतारोही दल हिमालय अभियान के लिए रवाना हुआ है। इस दल में जिले के युवा पर्वतारोही रवि सिंह, सुतेजल भगत, रूसनाथ भगत, सचिन कुजुर एवं प्रतीक नायक शामिल हैं। यह अभियान केवल एक खेल गतिविधि नहीं, बल्कि जशपुर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, प्रकृति-आधारित जीवनशैली और सामूहिकता की भावना को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का एक अवसर भी है।यह अभियान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है। पर्वतारोही दल जशपुर से रांची रवाना हुआ, जहाँ से वे ट्रेन द्वारा दिल्ली पहुँचेंगे। दिल्ली से टीम हिमाचल प्रदेश के जगतसुख के लिए प्रस्थान करेगी। दल 4 सितंबर तक आवश्यक प्रक्रियाएँ पूरी करेगा तथा 5 सितंबर को बेस कैम्प जाएगा। दल को रवाना करने के अवसर पर जशपुर के कलेक्टर रोहित व्यास, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) विश्वास मस्के उपस्थित थे। अधिकारियों ने दल को शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए उनके सुरक्षित एवं सफल अभियान की कामना की।कलेक्टर व्यास ने कहा कि जशपुर की युवा प्रतिभाएँ इस अभियान के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। वहीं वनमंडलाधिकारी शशि कुमार ने इसे जिले में खेल और साहसिक गतिविधियों की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार, जो स्वयं एक अनुभवी पर्वतारोही हैं, ने दल के सदस्यों को पर्वतारोहण से संबंधित आवश्यक जानकारियाँ दीं। उन्होंने सुरक्षा उपायों, ऊँचाई पर स्वास्थ्य प्रबंधन तथा टीम भावना के महत्व पर बल दिया और युवाओं को प्रेरित किया।जिले के नागरिक इस अभियान को लेकर गर्व और उत्साह का अनुभव कर रहे हैं। स्थानीय संस्था जय जंगल कंपनी इस अभियान के प्रायोजकों में से एक है। संस्था के संस्थापक समर्थ जैन ने कहा कि यह दल पूरे जिले के लिए प्रेरणा है और आने वाली पीढ़ियों को पर्वतारोहण तथा साहसिक खेलों की दिशा में आगे बढ़ाएगा।इस अभियान का नेतृत्व पर्वतारोही स्वप्निल राचेलवार एवं राहुल ओगरा कर रहे हैं। अभियान का उद्देश्य न केवल हिमालय की ऊँचाइयों को फतह करना है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं नशामुक्ति के संदेश को भी जन-जन तक पहुँचाना है। यह पहल युवाओं को प्रकृति से जोड़ते हुए उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित करेगी।

बीजापुर के आवासीय विद्यालय में छात्रा की मौत:9वीं की आदिवासी छात्रा ने कमरे में की आत्महत्या, पोस्टमार्टम से होगा कारण स्पष्ट

बीजापुर,04 सिंतबर (एजेंसी)। घटना शाम के समय की है। पिंकी ने भोजन के लिए साथी छात्राओं के साथ जाने से मना कर दिया। उसने कहा कि वह खाना कमरे में ही खाएगी। जब साथी छात्राएं खाना लेकर लौटीं, तो पिंकी कमरे में नहीं मिली। कपड़े सुखाने वाले बगल के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। वेंटिलेटर से देखने पर पिंकी फर्श पर पड़ी मिली।

पंखे में चुन्नी बांधकर आत्महत्या की को?शिश की

प्रारंभिक जांच में पता चला कि पिंकी ने पंखे में चुन्नी बांधकर आत्महत्या का प्रयास किया। चुन्नी टूटने से वह नीचे गिर गई। स्टाफ ने दरवाजा तोड़कर उसे जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सिविल सर्जन डॉ रत्ना ठाकुर के अनुसार, शव को मोर्चुरी में रखा गया है। पोस्टमार्टम के लिए टीम का गठन किया गया है। अगली सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल धनेलिया ने बताया कि आत्महत्या का कारण अभी अज्ञात है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। इस मामले को बीजापुर कोतवाली में दर्ज कराया जा रहा है।

बूढ़ा तालाब में फिर खुली चौपाटी, महापौर ने करवाया सील

रायपुर, 04 सिंतबर (एजेंसी)। बूढ़ा तालाब में चौपाटी की दुकानें फिर से खुल गई। मामले की शिकायत मिलने पर महापौर मीनल चौबे रविवार सुबह निरीक्षण करने पहुंची। दुकान खुलने पर निगम अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल सील करने के निर्देश दिए।सुबह चौपाटी का नजारा अलग ही थी, एक तरफ घूमने-फिरने के लिए आने वाले लोगों को रोकने पर पहले गार्ड और उसके बाद ठेकेदार को फटकार लगाई। साथ ही बिना पार्किंग के दुकानों के खुलने पर अधिकारियों को फटकार लगाई। दुकान मालिक के पर्यटन विभाग से अनापत्ति मिलने की दलील को दरकिनार करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम क्षेत्र में स्थित होने की वजह से उन्हें निगम के नियमों का पालन करना होगा। साथ ही उन्होंने निगम अधिकारियों से तीनों दुकानों को सील करने का निर्देश दिया। महापौर मीनल चौबे ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से शिकायत मिल रही थी कि बूढ़ा तालाब के चौपाटी की तीन दुकानें खुल गई हैं। आज उसी का निरीक्षण करने आए हैं, और इस बात की जानकारी ली कि बिना निगम की अनुमति कैसे दुकानें खुल गई। बिना पार्किंग के किसी भी प्रकार के व्यावसायिक गतिविधियों को शुरू नहीं कर सकते हैं। निगम के पास उनके पास कोई अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं है, जो जनता नहीं चाहेगी, वह हम नहीं होने देंगे। (चौपाटी) सामने स्कूल है। पूर्व में (दुकानों के) मालिक आए थे, उन्होंने कहा, हमारा यहा बहुत पैसा लग गया है। जो जनता चाहेगी, वहीं बूढ़ा तालाब में होगा।

मांदर में बाढ़ पीड़ित परिवारों को राशन, आयुष्मान व जॉब कार्ड बनाकर दिया गया

जगदलपुर,04 सिंतबर (एजेंसी)। बस्तर जिले के लोहांडीगुड़ा विकासखंड में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए कलेक्टर हरिस एस के मार्गदर्शन में प्रशासन की ओर से विशेष पहल की जा रही है। इसी कड़ी में मांदर क्षेत्र में बाढ़ पीड़ित परिवारों को राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड और जॉब कार्ड की डुप्लीकेट कॉपी बनाकर वितरित की जा रही है। बाढ़ में अनेक परिवारों के जरूरी दस्तावेज बह जाने या क्षतिग्रस्त हो जाने की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने यह व्यवस्था की है,

ताकि किसी भी पात्र हितग्राही को शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में बाधा न हो । जिला प्रशासन की ओर से जरूरतमंदों की सूची बनाकर शत-प्रतिशत पात्र परिवारों तक राहत सामग्री और आवश्यक दस्तावेज बनाने का कार्य आज रविवार को भी जारी रहा। मांदर गांव की बाढ़ त्रासदी ने जहां अनेक परिवारों के बच्चों से उनका बचपन और पढ़ाई का सहारा छीन लिया, वहीं ऐसे कठिन समय में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, अलनार के संविदा शिक्षक भी पीछे नहीं रहे। विद्यालय के प्राचार्य अजय कोर्राम के नेतृत्व में संविदा शिक्षकों ने विद्यालय में पढ़ने वाले प्रभावित बच्चों को कॉपी, किताबें और स्कूल बैग उपलब्ध कराए । साथ ही बच्चों को जल्द से जल्द फिर से विद्यालय लौटने के लिए प्रेरित किया । इस कार्य में विद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी एकजुट होकर सहयोगी बने और अपने स्तर से हर संभव योगदान दिया।

बुजुर्ग के खाते से 80 हजार पार

रायपुर, 04 सितम्बर (एजेंसी)। कंचन गंगा परिसर में अज्ञात दो व्यक्तियों ने एक बुजुर्ग के एटीएम कार्ड बदलकर उसके खाते से 80 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी कुसुमेंद्र सिंह बघेल 70 वर्ष कबीरनगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी कंचन गंगा परिसर स्थित एटीएम मशीन में पैसा निकालने गया था, तभी अज्ञात दो व्यक्तियों ने तुम्हारा कार्ड एटीएम मशीन में फंस गया है कहकर निकालने का बहाना बनाकर कार्ड बदल दिया और उसके खाते से 80 हजार रुपए आहरण कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पार्किंग में खड़ी एक्टिवा की चोरी

रायपुर, 04 सितम्बर (एजेंसी)। हिलायन हाईट के पार्किंग में खड़ी एक्टिवा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया कुमारी गायत्री ध्रुव 51 वर्ष हिलायन हाईट फेस 2 राजेन्द्र नगर की रहने वाली है। बताया जाता है कि प्रार्थिया अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 जेएफ 9758 को हिलायन हाईट के पार्किंग में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थिया की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

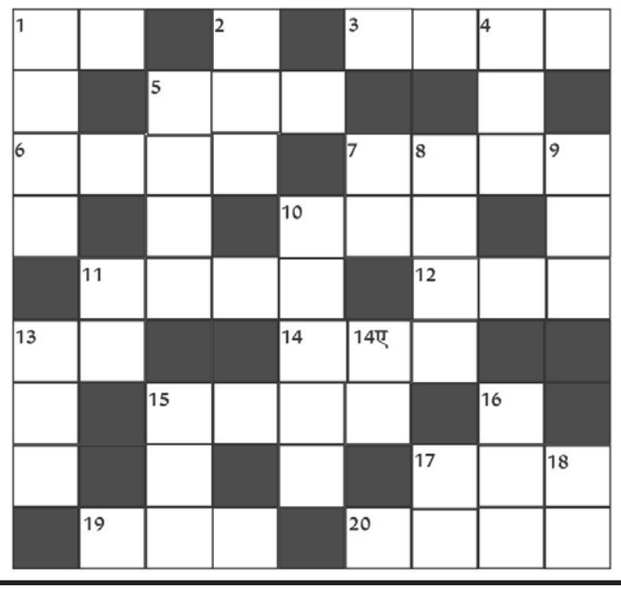

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

ख	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दी		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

भारत से लेकर ओमान तक, एशिया कप में शामिल सात टीमों का स्क्वाड और कप्तान कौन किस ग्रुप में शामिल

नई दिल्ली,04 सिंतबर (एजेंसी) टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले एशिया कप में आठ टीमें हिस्सा लेंगी जिन्हें चार-चार टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है। अब तक मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को छोड़कर अन्य सात टीमों ने इसके लिए टीम का एलान कर दिया है।एशिया कप का काउंटडाउन अब शुरू हो चुका है और नौ सितंबर से इसके मुकाबले शुरू हो जाएंगे। टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा लेंगी जिन्हें चार-चार टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है। अब तक मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को छोड़कर अन्य सात टीमों ने इसके लिए टीम का एलान कर दिया है। भारत इस टूर्नामेंट में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा जहां उसकी नजरें खिताब बचाने पर टिकी होंगी। बीसीसीआई है मेजबानबीसीसीआई इस टूर्नामेंट का मेजबान है। टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के कारण दोनों देशों ने 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर ही मैच खेलने पर आपसी सहमति जताई है। इसी के तहत इसी साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान था, पर भारत ने सारे मुकाबले दुबई में खेले थे और चैंपियनशिप अपने नाम की थी। एशिया कप का यह संस्करण टी20 प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। चूंकि, अगला आईसीसी टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप है, ऐसे में परंपरा के हिसाब से इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा।एशिया कप के मैचों के समय में परिवर्तन किया गया है। पहले ये मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होने थे, लेकिन स्थानीय समयानुसार अब शाम 6.30 बजे यानी भारतीय समयानुसार रात आठ बजे शुरू होंगे। यूएई की गर्मी के कारण यह फैसला लिया गया है। एशिया कप के लिए भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में शामिल किया गया है। ग्रुप ए में ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, भारत और पाकिस्तान हैं, जबकि ग्रुप बी में अफगानिस्तान, हॉन्ग कॉन्ग, बांग्लादेश और श्रीलंका की टीमें मौजूद हैं। भारतीय टीम 1984, 1988, 1990/91, 1995, 2010, 2016, 2018 और 2023 में एशिया कप का खिताब जीत चुकी है। भारत सर्वाधिक बार इस टूर्नामेंट को जीतने वाली टीम है। एशिया कप के लिए भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ओमान और हॉन्ग कॉन्ग ने टीम घोषित कर दी है, लेकिन यूएई की टीम अभी घोषित नहीं हुई है। आइए जानते हैं एशिया कप में शामिल होने वाले देशों का पूरा स्क्वाड...भारत- सूर्यकुमार यादव, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, अभिषेक शर्मा, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा।पाकिस्तान-सलमान आगा (कप्तान), फखर जमां, खुशदिल शाह, सैम अयूब, हसन नवाज, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर), हसन अली, हारिस रऊफ, अबरार अहमद, सलमान मिर्जा, सूफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर, शाहीन अफरीदी।बांग्लादेश-लिटन दास (कप्तान), तंजिद हसन तमीम, सैफ हसन, तौहीद हृदॉय, मेहदी हसन, मोहम्मद सैफुद्दीन, शमीम हुसैन, नुरुल हसन (विकेटकीपर), परवेज हुसैन इमोन (विकेटकीपर), जाकिर अली (विकेटकीपर), नसुम अहमद, तंजीम हसन साकिब, तस्किन अहमद, रिशाद हुसैन, शोरिफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान।अफगानिस्तान- राशिद खान (कप्तान), दरविश रसूली, इब्राहिम जादरान, सेदीकुल्लाह अटल, गुलबदीन नईब, अजमतुल्लाह ओमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, करीम जनत, मोहम्मद नबी, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), ए एम गजनफर, फरीद अहमद मलिक, फजलहक फारूकी, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, नवीन-उल-हक। श्रीलंका- चरिथ असलंका (कप्तान), नुवानिदु फर्नांडो, पथुम निसंका, कमिंदु मेंडिस, दसुन शनाका, चमिका करुणारत्ने, वानिंदु हसरंगा, दुनिथ वेलालागे, कुसल परेरा, कुसल मेंडिस, कामिल मिशारा, दुश्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा, मथीशा पथिराना, महीश तीक्षणा।हॉन्ग कॉन्ग- यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, मार्टिन कोएत्जी, कल्हान चालू, अनस खान, किंचित शाह, निजाकत खान, एजाज खान, अंशुमान राठ (विकेटकीपर), जीशान अली (विकेटकीपर), शाहिद वासिफ (विकेटकीपर), नसरुल्ला राणा, आतिफ इकबाल, अदिल महमूद, मोहम्मद वहीद, अली हसन, आयुष शुक्ला, हारून अरशद, मोहम्मद गजनफर, एहसान खान। ओमान- जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओड़ेदारा, आमिर कलीम, आर्यन बिष्ट, करन सोनावले, फैसल शाह, मोहम्मद इमरान, नदीम खान, हम्माद मिर्जा (विकेटकीपर), विनायक शुक्ला (विकेटकीपर), सूफियान यूसुफ (विकेटकीपर), मोहम्मद नदीम, सूफियान महमूद, जिक्रिया इस्लाम, हसनैन अली शाह, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव।

एशिया कप में टाइटल प्रायोजक के बिना हिस्सा ले सकती है भारतीय टीम, जर्सी में नहीं होगा ड्रीम11 का नाम

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसी) ।ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में जब भारत खेलने उतरेगा तो उसकी जर्सी पर ड्रीम 11 का नाम नहीं होगा।

फैंटेसी स्पोर्ट्स की दिग्गज कंपनी ड्रीम 11 के लीड प्रायोजक से हटने के बाद भारतीय टीम नौ सितंबर से होने वाले एशिया कप में बिना टाइटल प्रायोजक के हिस्सा ले सकती है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में जब भारत खेलने उतरेगा तो उसकी जर्सी पर ड्रीम 11 का नाम नहीं होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को टीम के टाइटल प्रायोजन अधिकारों के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। बीसीसीआई ने टाइटल प्रायोजन के लिए बोलियां आमंत्रित कींड्रीम 11 ने हाल ही में 'ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के प्रचार और विनियमन' के कारण अपने वास्तविक धन वाले गेम बंद कर दिए हैं। अधिनियम में कहा गया है कि %कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं की पेशकश, सहायता, उकसाना, प्रेरित, लिप्त या संलग्न नहीं होगा और न ही किसी ऐसे विज्ञापन में शामिल होगा जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी व्यक्ति को कोई भी ऑनलाइन मनी गेम खेलने के लिए प्रोत्साहित करता हो।% ड्रीम 11 और माय 11 सर्कल के साथ बीसीसीआई का भारतीय क्रिकेट टीम और इंडियन प्रीमियर लीग के लिये 1000 करोड़ रूपये के करीब टाइटल प्रायोजन करार था। आईईओआई खरीदने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है और बोली के दस्तावेज जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है, जबकि एशिया कप 28 सितंबर को समाप्त हो रहा है। दुबई में एकत्रित होंगे खिलाड़ी भारतीय टीम के खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव की अगुआई में एशिया कप के लिए दुबई में एकत्रित होंगे। आमतौर पर टीम के सदस्य मुंबई में एकत्रित होते थे और फिर वहां से एक साथ रवाना होते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो रहा है। भारतीय टीम के सदस्य चार सितंबर में दुबई में एकत्रित होंगे। भारत इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को करेगा। भारत टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात से भिड़ेगा और उसके बाद 14 सितंबर को दुबई में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करेगा। सुपर फोर चरण से पहले उसका तीसरा ग्रुप मैच 19 सितंबर को ओमान के खिलाफ होगा।

आने वाली है विराट कोहली की बायोपिक? अभिनेता गुरमीत ने दिया जवाब, कहा- ओपनिंग 200-300 करोड़ की होगी

नई दिल्ली ,04 सिंतबर (एजेंसी)। विराट सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास की मिसाल पेश की है। प्रशंसकों को अक्सर उनकी बायोपिक की मांग करते देखा जाता है। अब मशहूर फिल्म अभिनेता गुरमीरत चौधरी ने किंग कोहली की बायोपिक में काम करने की इच्छा जताई है।

पूर्व कप्तान विराट कोहली भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, फिटनेस और जुनून के लिए मशहूर कोहली ने बहुत कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बना ली थी। %किंग कोहली% के नाम से मशहूर स्टार खिलाड़ी ने टेस्ट, वनडे और टी20...तीनों प्रारूपों में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने नई ऊंचाइयां छुईं और विदेशों में भी जीत हासिल की।

विराट सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास की मिसाल पेश की है। प्रशंसकों को अक्सर उनकी बायोपिक की मांग करते देखा जाता है। अब मशहूर फिल्म अभिनेता गुरमीरत चौधरी ने किंग कोहली की बायोपिक में काम करने की इच्छा जताई है।

व्यापार

भारत-यूएई ने मजबूत व्यापारिक रिश्तों की दिशा में बढ़ाया कदम, निवेश को देंगे बढ़ावा

नई दिल्ली ,04 सिंतबर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी पोस्ट में यूएई के नए विदेश व्यापार मंत्री बने डॉ थानी बिन अहमद अल जायौदी को उनकी नई जिम्मेदारी संभालने पर बधाई दी और कहा कि डॉ जायौदी का स्वागत करते हुए उन्हें गर्व महसूस हो रहा है।भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने

बुनियादी ढांचा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में व्यापार और निवेश बढ़ाने पर बातचीत की है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को अपनी एक्स हैंडल पोस्ट में यह जानकारी देते हुए लिखा कि दोनों देशों ने साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।केंद्रीय मंत्री गोयल ने अपनी पोस्ट में यूएई के नए विदेश व्यापार मंत्री बने डॉ थानी बिन अहमद अल जायौदी को उनकी नई जिम्मेदारी संभालने पर बधाई दी और कहा कि डॉ जायौदी का स्वागत करते हुए उन्हें गर्व महसूस हो रहा है। गोयल ने बताया, हम दोनों के बीच हुई चर्चा का मकसद मुख्य क्षेत्रों में निवेश और व्यापार बढ़ाना और हमने साथ मिलकर नए अवसर तलाशने और साझेदारी को और गहरा करने का वादा किया।दोनों देशों का व्यापार हुआ दोगुना

भारत और यूएई के बीच हुए आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को तीन साल पूरे हो गए। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, द्विपक्षीय व्यापार 2020-21 में 43.3 अरब डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 83.7 अरब डॉलर हो गया। मौजूदा वित्त वर्ष में जनवरी 2025 तक 80.5 अरब डॉलर का व्यापार हो चुका है।

गैर-तेल व्यापार की बड़ी छलांग

सीईपीए की सबसे बड़ी उपलब्धि गैर-तेल व्यापार का बढ़ना रहा। यह 2023-24 में 57.8 अरब डॉलर रहा। यह कुल व्यापार का आधे से अधिक हिस्सा है। सीईपीए के तहत अब लक्ष्य 2030 तक गैर-तेल व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है।

पेप्सी से लेकर मैकडॉनल्ड्स तक, ट्रंप के टैरिफ के कारण अमेरिकी कंपनियों के सामने स्वदेशी की चुनौती

नई दिल्ली ,04 सिंतबर(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर 50% टैरिफ लगाए जाने के बाद देश में अमेरिकी कंपनियों के खिलाफ नाराजगी तेज हो गई है। पीएम मोदी से लेकर योग गुरु रामदेव तक सभी ने लोगों से पेप्सी, कोका-कोला, केएफसी, मैकडॉनल्ड्स जैसे ब्रांड्स के बहिष्कार की अपील की है। साथ ही लोगों को %स्वदेशी% को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया है। ऐसे में अब टैरिफ विवाद के चलते अमेरिकी कंपनियों के सामने भारतीयों की %स्वदेशी पहल एक बड़ी चुनौती के तौर पर सामने आ रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के बाद भारत में अमेरिका के खिलाफ आक्रोश का माहौल है। लोगों ने अमेरिकी सामान को खरीदने से परहेज करना शुरू कर दिया है। फलस्वरूप अमेरिकी कंपनियां जैसे पेप्सी, कोका-कोला, सबवे, केएफसी और मैकडॉनल्ड्स को भारत में बायकॉट (बहिष्कार) का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अब अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत के लोगों द्वारा स्वदेशी अपनाने की पहल बड़ी चुनौती के तौर पर मानी जा रही है। बता दें कि अमेरिका द्वारा यह टैरिफ भारत के रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए हैं और दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ में से एक माने जा रहे हैं।

योग गुरु रामदेव ने की अमेरिकी प्रोडक्ट्स के बहिष्कार की अपील

कुल मिलाकर ये बात तो साफ हो गई है कि ट्रंप की टैरिफ के कारण भारतीय बाजार में अमेरिकी कंपनियों की चुनौती बढ़ने वाली है। इसी बीच योग गुरु रामदेव ने लोगों से अमेरिकी प्रोडक्ट्स का बहिष्कार करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि एक भी

भारतीय पेप्सी, कोका-कोला, सबवे, केएफसी या मैकडॉनल्ड्स के काउंटर पर न दिखे।

योग गुरु ने कहा कि बहिष्कार इतना बड़ा हो कि अमेरिका में हलचल मच जाए। उन्होंने कहा कि भारत की 1.5 अरब की आबादी अगर अमेरिकी कंपनियों का बहिष्कार करती है, तो इससे अमेरिका को भारी नुकसान हो सकता है। देखा जाए तो भारत पहला देश नहीं है जहां अमेरिकी प्रोडक्ट्स के बहिष्कार की शुरुआत की पहल की गई हो। इस तरह का बायकॉट अब फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और कनाडा जैसे देशों में भी देखने को मिल रहा है।

पीएम मोदी की %स्वदेशी अपनाने की अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लोगो से स्वदेशी अपनाओ% की अपील की है। उन्होंने कहा कि अगर हमें भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है, तो हर नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह वही वस्तु खरीदेगा जो भारत में भारतीयों द्वारा बनाई गई हो। यही हमारे लिए स्वदेशी है। हमें वोकल फॉर लोकल का मंत्र अपनाना होगा। साथ ही पीएम मोदी ने ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि आज दुनिया में आर्थिक स्वार्थ की राजनीति चल रही है और हर देश सिर्फ अपना फायदा देख रहा है।

आप सांसद मित्तल ने ट्रंप को लिखा पत्र

इसी क्रम में आप सांसद अशोक कुमार मित्तल ने ट्रंप को एक खुला पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने 1905 के स्वदेशी आंदोलन की याद दिलाई। आप सांसद ने कहा कि अगर आज 146 करोड़ भारतीय वही भावना लेकर अमेरिकी कंपनियों पर रणनीतिक रोक लगाएं, तो इसका असर अमेरिका पर भारत से कहीं ज्यादा होगा।

अमेरिका-भारत से टैरिफ विवाद, समझिए

गौरतलब है कि रूस का हवाला देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते छह अगस्त को भारत पर पहले से लगे 25 टैरिफ के ऊपर और 25 का जुर्माना लगा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा था कि भारत न सिर्फ रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है, बल्कि उस तेल को खुले बाजार में मुनाफे के लिए बेच भी रहा है। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं कि यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इसलिए मैं भारत पर टैरिफ को और बढ़ा रहा हूं।

हालांकि भारत सरकार ने ट्रंप के इस फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे अनुचित, अन्यायपूर्ण और अस्वीकार्य बताया था। विदेश मंत्रालय ने टैरिफ के जवाब में कहा था कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। यह नया टैरिफ 27 अगस्त से लागू हो गया है।

भारत-चीन व्यापार घाटे का बढ़कर 99.2 अरब डॉलर पर पहुंचना चिंताजनक

नई दिल्ली ,04 सिंतबर (एजेंसी)। थिंक टैंक जीटीआरआई का कहना है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि यह न केवल बड़ा है, बल्कि संरचनात्मक भी है। चीन अब लगभग हर औद्योगिक श्रेणी में भारत के आयात पर हावी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दिन पहले ही कहा था कि विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए भारत और चीन के लिए मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है। भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार ठीक दर से बढ़ रहा है, लेकिन व्यापार घाटा अब भी बीजिंग के पक्ष में झुका है। व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर पर पहुंच चुका है। ऐसे में यह सवाल बेहद अहम हो जाता है कि आखिर यह चिंताजनक क्यों है? इस बारे में थिंक टैंक जीटीआरआई का कहना है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि यह न केवल बड़ा है, बल्कि संरचनात्मक भी है। चीन अब लगभग हर औद्योगिक श्रेणी में भारत के आयात पर हावी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दिन पहले ही कहा था कि विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए भारत और चीन के लिए मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है। साथ ही जोड़ा कि नई दिल्ली द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से आपसी सम्मान, आपसी हित और आपसी संवेदनशीलता के आधार पर आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। कुछ सवाल-जवाब से व्यापारिक संबंधों पर एक नजर...

भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार की स्थिति क्या है? अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान भारतीय निर्यात 19.97%

बढ़कर 5.75 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 13.06% बढ़कर 40.65 अरब डॉलर रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का निर्यात 14.25 अरब डॉलर था, जबकि आयात 113.5 अरब डॉलर था। व्यापार घाटा (आयात-निर्यात के बीच का अंतर) 2003-04 में 1.1 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 99.2 अरब डॉलर हो गया है। पिछले वित्तीय वर्ष में चीन का व्यापार घाटा भारत के कुल व्यापार असंतुलन (283 अरब डॉलर) का लगभग 35% था। वित्त वर्ष 2023-24 में यह अंतर 85.1 अरब डॉलर था।

किन प्रमुख उत्पादों में चीन की हिस्सेदारी 75 फीसदी से अधिक है?एरिथ्रोमाइसिन जैसे दवाओं में चीन भारत की 97.7% जरूरतों की आपूर्ति करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स में, यह सिलिकॉन वेफर्स के 96.8%, फ्लैट पैनल डिस्प्ले के 86 प्रतिशत को नियंत्रित करता है। नवीकरणीय ऊर्जा में 82.7 प्रतिशत सौर सेल और 75.2 प्रतिशत लिथियम-आयन बैटरी चीन से आती हैं। यहां तक कि लैपटॉप (80.5% हिस्सेदारी) कढ़ाई मशीनरी (91.4 प्रतिशत) और विस्कोस यार्न(98.9 प्रतिशत) जैसे रोजमर्रा के उत्पादों में भी चीन का प्रभुत्व है।चीन के अत्यधिक प्रभुत्व का जोखिम क्या है?

जीटीआरआई संस्थापक अजय श्रीवास्तव का कहना है कि चीन की अत्यधिक प्रभुत्व स्थिति भारत के लिए एक संभावित दबाव का साधन बन सकती है, क्योंकि आपूर्ति श्रृंखलाओं को राजनीतिक तनाव के समय में दबाव डालने के उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह असंतुलन बढ़ता जा रहा है, क्योंकि भारत का चीन के साथ निर्यात घट रहा है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार में भारत का हिस्सा अब सिर्फ 11.2 प्रतिशत रह गया है, जो दो दशकों पहले 42.3 प्रतिशत था। भारत ने आयात निर्भरता को घटाने के लिए क्या कदम उठाए हैं?घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 14 से अधिक क्षेत्रों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोतहन योजनाओं की शुरुआत; बाजार में घटिया और खराब गुणवत्ता वाले उत्पादों की जांच और उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, परीक्षण प्रोटोकॉल और अनिवार्य प्रमाणन के लिए कड़े गुणवत्ता मानक और उपाय लागू किए गए हैं। सरकार भारतीय व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने और आपूर्ति के एकल स्त्रोतों पर निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

सोने का दाम 1.01 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार, चांदी ऑल-टाइम हाई पर

नई दिल्ली ,04 सिंतबर (एजेंसी)। सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को जबरदस्त तेजी देखी गई। सोने का दाम 1.01 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 1.17 लाख रुपए प्रति किलो के पार पहुंच गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 622 रुपए बढ़कर 1,01,506 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि बीते बुधवार को 1,00,884 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी।22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 92,980 रुपए हो गई है, जो कि पहले 92,410 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 76,130 रुपए हो गया है, जो कि पहले 75,663 रुपए प्रति 10 ग्राम था।आईबीजेए की ओर से सोने और चांदी की कीमतों को दिन में दो बार सुबह और शाम अपडेट किया जाता है।चांदी की कीमत 1,240 रुपए बढ़कर ऑल-टाइम हाई 1,17,110 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है, जो कि पहले 1,15,870 रुपए प्रति किलो थी।वायदा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत में मजबूती दर्ज की गई है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 3 अक्टूबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.12 प्रतिशत बढ़कर 1,01,667 रुपए और चांदी के 5 सितंबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.93 प्रतिशत बढ़कर 1,17,175 रुपए थी।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी की कीमत में मजबूती देखी गई है। कॉमैक्स पर सोना करीब 0.23 प्रतिशत बढ़कर 3,456 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.12 प्रतिशत बढ़कर 39.14 डॉलर प्रति औंस पर थी।

झमाझम बारिश से नदी नाले उफान पर, बांगो बांध का जलस्तर बढ़ा

लक्ष्मण नाला बायपास मार्ग पर सड़क के ऊपर से बहा पानी, आवागमन रहा बाधित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। मंगलवार के बाद बुधवार की रात से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से नदी नाले उफान पर आ गए हैं। बांगो बांध का जलस्तर भी बढ़ गया है। कुसमुंडा क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मण नाला बायपास मार्ग पर सड़क के ऊपर से पानी बह रहा है, जिससे यहां से आवाजाही पूरी तरह से बंद है। आवाजाही करने वालों को इमलीछापर रेल्वे फाटक से होकर आना जाना पड़ा। हालांकि पानी रुकने के कुछ देर बाद पानी उतरने से आवाजाही शुरू हो गई। हसदेव और अहिरन नदी में भी पानी का स्तर बढ़ गया है।

बीती रात से हो रही लगातार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर के नालों में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। लक्ष्मण नाला उफान पर है, जिसकी वजह से इमलीछापर और कुसमुंडा बायपास मार्ग पर लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।बारिश के बीच लोग जान जोखिम में डालकर उफनते नाले को पार कर रहे हैं। सबसे अधिक दिक्क़त स्कूल जाने वाले बच्चों को हो रही है। नाले में तेज बहाव के कारण अभिभावक भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन ने अब तक स्थिति से निपटने के लिए कोई पुख्ता इंतज़ाम नहीं किए हैं। यदि बारिश का दौर इसी तरह जारी रहा, तो आवागमन पूरी तरह बाधित हो सकता है। बांगो बांध में भी गेट खोलने की स्थिति बनी हुई है। वर्तमान में मिनीमाता बांगो बांध में लगभग 89.55 फीसदी जल भराव हो चुका है। अत्यधिक वर्षा होने के कारण सुबह 6 बजे से बांगो बांध जलाशय का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है, तत्कालीन परिस्थिति के अनुसार मिनीमाता बांगो बांध के जलद्वार खोलकर किसी भी समय हसदेव नदी में जल प्रवाहित किया जा सकता है। सर्वसाधारण एवं कार्य संबंधितों को पुन: सूचित किया गया है, कि उक्त बांध से नीचे, हसदेव नदी के किनारे, बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल संपत्ति सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं। बाढ़ क्षेत्र में स्थापित खनिज खदान, ठेके दार, औद्योगिक इकाईयों, संस्थानों आदि को भी सूचित किया गया है, कि वे अपनी परिसंपत्तियों को बाढ़ क्षेत्र से बाहर कर लें। अकस्मात बाढ़ से होने वाली स्थिति से बचने जल संसाधन विभाग ने अलर्ट जारी किया है।

चरमराई बिजली आपूर्ति व्यवस्था

शहरी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की अव्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। अधिकांश क्षेत्र में बिजली दिन में कई बार बंद हो रही है। उमस भरी गर्मी के बीच बिजली बंद होने से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। पाड़ीमार, दर्री और तुलसीनगर जोन क्षेत्र अंतर्गत बिजली आपूर्ति व्यवस्था का बुरा हाल रहा। एंडस्ट्रीयल एरिया में बिजली की आंखमिचौली होती रही। यही अव्यवस्था मानिकपुर, पुरानी बस्ती, सीतामणी, संजय नगर से लेकर सर्वमंगला नगर, कुसमुंडा सहित कई इलाके में बिजली बंद-चालू होती रही।

भारी बारिश से सड़क पर गिरा चट्टान का हिस्सा

जिले में हो रही लगातार बारिश अब लोगों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। सतरेंगा मार्ग से गढ़ उपरोड़ा मार्ग पर गुरुवार की सुबह बड़ा हादसा टल गया। पहाड़ से चट्टानों का एक बड़ा हिस्सा टूटकर सड़क पर आ गिरा, जिससे पूरा मार्ग अवरुद्ध हो गया। देखते ही देखते सड़क पर भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया और मार्ग पूरी तरह से बंद हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग क्षेत्र का मुख्य संपर्क मार्ग है, जहां से रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीणों का आवागमन होता है। इसके अलावा यह क्षेत्र पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है, जहां हर रोज सैकड़ों पर्यटक घूमने-फिरने पहुंचते हैं। ऐसे में सड़क बंद होने से लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। भूस्खलन के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई और तुरंत ही इसकी सूचना प्रशासन को दी गई। हालांकि खबर लिखे जाने तक सड़क से मलबा हटाने का काम शुरू नहीं हो पाया था। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक प्रशासन सक्रिय होकर मलबा नहीं हटाता, तब तक आवाजाही ठप रहेगी। लगातार बारिश से पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की आशंका बनी हुई है, जिसके चलते लोगों से अपील की गई है कि वे अनावश्यक रूप से इस मार्ग पर यात्रा न करें। प्रशासन ने भी स्थिति पर नजर बनाए रखा है।

वनाधिकार पट्टे की जमीन का डाटा पोर्टल में दर्ज नहीं

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कलेक्टर को लिखा पत्र

कोरबा (छ.ग.गौरव)। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कलेक्टर को लिखे पत्र में कहा है कि वनाधिकार पट्टे की जमीन का डाटा पोर्टल में दर्ज नहीं है। इस कारण कई किसानों का आईडी नहीं बन पा रहा है। गोंगपा ने इन अन्नदाताओं के समस्या के निराकरण की मांग की है।

जिले के खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान बेचने पंजीकृत किसानों को फार्मर आईडी बनवाना अनिवार्य किया गया है। इसके लिए एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराना होगा। इसके बाद ही फार्मर आईडी बनेगी। गोंगपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामखिलावन उइके ने पत्र में कहा है कि वनाधिकार पट्टे की जमीन पर खेती-किसानी का कार्य कर धान की फसल ले रहे किसानों का डाटा पोर्टल पर दर्ज नहीं है। इस कारण कई किसान आईडी नहीं बनवा पा रहे हैं। शासन की ओर से किसानों को वनाधिकार पट्टा दिया गया है। जिस पर खेती कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। सहकारी समितियों से किसानों ने कृषि ऋण भी लिया है। शासन की गाइडलाइन के हिसाब से इस बार खरीदी केन्द्रों में समर्थन मूल्य पर धान बेचने किसान आईडी का पंजीयन अनिवार्य किया गया है। पंजीयन पोर्टल 5 सितंबर से लॉक होने पर वनाधिकार पट्टे पर खेती कर रहे किसान पंजीयन से वंचित हो जाएंगे। इसलिए समय रहते किसानों के हित में उचित निर्णय लिया जाए। पिछले साल वनाधिकार पट्?टे की जमीन पर धान की फसल लेने वाले किसानों ने भी पंजीयन कराकर समर्थन मूल्य पर धान बेचा था।

रेल लाइन बिछाने तेजी से चल रहा काम

जमीन को समतल कर मिट्टी भरने का काम जारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। उरगा से धरमजयगढ़ के बीच करीब 62 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाने के लिए चिन्हित जमीन पर कार्य तेजी से चल रहा है। जमीन को समतल कर मिट्टी भरने का काम शुरू किया गया है। पुल- पुलिया और अंडरपास का निर्माण कार्य चल रहा है।

छत्तीसगढ़ ईस्ट रेल कॉरिडोर फेस- टू में कोरबा के उरगा रेलवे स्टेशन से रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ तक करीब 62 किलोमीटर लंबी लाइन प्रस्तावित है। यह लाइन भैसमा केरवाद्वारी, बांधापाली होते हुए जोगीपाली के रास्ते हाटी होकर खरसिया होकर धरमजयगढ़ जा रही है। इस लाइन को बिछाया जा रहा है। करीब एक साल से ठेका कंपनी रेल लाइन को बिछाने के लिए जमीन पर काम कर रही है। रेल कॉरिडोर के लिए चिन्हित जमीन पर कंपनी ने काम शुरू किया गया है। पहले चरण में लाइन बिछाने के लिए पेड़ों की कटाई का कार्य पूरा हो गया है। चिन्हित जमीन को समतल किया जा रहा है। मिट्टी भरकर रेल लाइन बिछाने के लिए ऊंचाई बढ़ाई जा रही है। किसी स्थान से मिट्टी को काटकर हटाया जा रहा है। उरगा से धरमजयगढ़ के बीच पुल-पुलिया का निर्माण भी ठेका कंपनी ने शुरू किया गया है। इसके लिए जगह- जगह गड्ढे खोदे गए हैं। बांधापाली के पास नोनबिर्रा- रामपुर के बीच राजकीय राजमार्ग पर अंडरपास का निर्माण किया जा रहा है। यहीं पर ठेका कंपनी का कैंप है। हालांकि इस साल तक उरगा से धरमजयगढ़ के बीच रेल लाइन को बिछाने का काम पूरा होगा। इसकी उम्मीद बेहद कम है।

उरगा से धरमजयगढ़ जाएगी लाइन

चांपा- कोरबा के बीच उरगा रेलवे स्टेशन है। यह स्टेशन जल्द ही रेलवे का नया जंक्शन बन जाएगा। यहां से एक लाइन धरमजयगढ़ के लिए जाएगी। दूसरी लाइन भिलाई होकर हसदेव नदी को पार करते हुए सर्वमंगला मंदिर के करीब से कुसमुंडा तक जाएगी। आगे गेवरा रोड रेल लाइन से जुड़ जाएगी। उरगा- कुसमुंडा रेल लाइन बिछाने का काम पूरा हो गया है। इसका परीक्षण भी रेलवे ने किया है। लेकिन रेलवे सुरक्षा विभाग की ओर से इस मार्ग पर मालगाड़ियों को चलाने के लिए अनुमति नहीं मिली है। सुरक्षा ऑडिट होने के बाद इस लाइन से गाड़ियां दौड़ने लगेंगी।

हाथियों ने केंदई रेंज की सीमा को किया पार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वनमंडल कटघोरा के केंदई रेंज अंतर्गत लालपुर क्षेत्र में विगत 4 दिनों से सक्रिय 26 हाथियों का दल बीती रात आगे बढक़र केंदई रेंज की सीमा को पार किया। जंगल ही जंगल होते हुए पसान रेंज के बनिया सर्किल में स्थित जातापहाड़ पहुंचकर वहां विश्राम करने लगा। बड़ी संख्या में हाथियों के पहाड़ी क्षेत्र में पहुंचने तथा चिंघाड़ लगाए जाने से ग्रामीण दहशत में हैं। वहीं वन विभाग का अमला भी सतर्कता बरतते हुए गजदल की निगरानी में जुट गया है। बनिया व आसपास के गांव में मुनादी कराई जा रही है और ग्रामीणों से हाथियों से दूरी बनाए रखने को कहा जा रहा है। हाथियों के दल ने यहां पहुंचने से पूर्व लालपुर गांव में जमकर उत्पात मचाया और ग्रामीणों के खेतों में लहलहा रहे धान की फसल को रौंदकर तहस-नहस कर दिया, जिससे ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। हाथियों के दल ने क्षेत्र में मौजूदगी के दौरान प्रतिदिन उत्पात मचाकर ग्रामीणों व वन विभाग की नाक में दम कर रखा था। अब हाथियों के अन्यत्र जाने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। हाथियों ने प्रतिदिन फसलों को नुकसान पहुंचाया है। जिसका वास्तविक आंकड़ा अब पता चलेगा, क्योंकि हाथी बार-बार ग्रामीणों के खेतों में पहुंच जा रहे थे और फसलों को बर्बाद कर रहे थे जिसकी वजह से नुकसानी का आंकलन नहीं हो पा रहा था। अब हाथियों के जाने से वन अमला सर्वे के काम में जुटेगा।

बालको प्रबंधन ने 31 अक्टूबर तक का दिया समय

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भाजपा पार्षद हितानंद अग्रवाल ने बताया कि बालको नगर कॉलोनी में बहुत से ऐसे पूर्व कर्मचारी हैं, जिन्होंने बालको का दिया हुआ मकान अब तक नहीं छोड़ा है। क्योंकि बालको प्रबंधन ने इन सभी के रिटायरमेंट के पैसे की कुछ राशि रोक रखी थी। अस्पताल की सुविधा भी आज तक रुकी हुई है। कुछ दिनों पूर्व बालको में एडमिन हेड के रूप में कैप्टन धनंजय मिश्रा की नियुक्ति हुई। जिसके बाद उनके द्वारा सभी पूर्व कर्मचारियों को उनके घरों से निकालने का अभियान चलाया गया। इस अभियान में शामिल बालको के कर्मचारियों ने सभी भूतपूर्व कर्मचारियों के घरों का बिजली का कनेक्शन एवं पानी कनेक्शन काट दिया, साथ ही सभी के घरों का सीवरेज लाइन भी क्षतिग्रस्त कर दिया। जिससे सभी भूतपूर्व कर्मचारी बेहाल हो गए। सभी कर्मचारी अपने अपने स्तर पर नेताओं से गुहार लगाने का प्रयास करने लगे। बहुत से लोग बालको भाजपा मंडल के पदाधिकारियों से भी मिले। हितानंद अग्रवाल को भी प्रभावितों ने समस्या से अवगत कराया। इसके विरोध में प्रभावित बालको भाजपा मंडल के सभी पदाधिकारी और हितानंद अग्रवाल के साथ 28 अगस्त को नगर प्रशासन बालको के कार्यालय पहुंचे। बालको प्रबंधन के अधिकारी कुशाग्र कुमार से मुलाकात कर सभी पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपा। जिसके उपरांत भी बालको प्रबंधन के एडमिन हेड कैप्टन धनंजय मिश्रा के द्वारा कार्यवाही नहीं रोकी गई। जिसके उपरांत भाजपा बालको नगर मंडल एवं सभी जन प्रतिनिधियों द्वारा बालको टाउनशिप ऑफिस में तालाबंदी की चेतावनी दी गई। जिसके बाद बालको प्रबंधन ने बालको भाजपा मंडल के पदाधिकारी एवं बालको के सभी जनप्रतिनिधियों को बैठक के लिए बुलाया। गहन चर्चा के उपरांत कैप्टन धनंजय मिश्रा ने सभी की बातों को मानते हुए यह तय किया कि 31 अक्टूबर तक किसी को भी घरों से नहीं निकाला जाएगा। बिजली, पानी एवं सीवरेज का कनेक्शन नहीं काटा जाएगा। इस बीच टाउनशिप कार्यालय में क्वाटर छोड़ने संबंधी प्रक्रिया एवं जानकारी के लिए अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। पूर्व कर्मचारियों के बचे हुए पैसों एवं बंद की गई मेडिकल सुविधाओं को शुरू करने के विषय पर भी बैठक के दौरान चर्चा हुई।

नगर निगम के 57 हजार घरों में लगेंगे डिजिटल डोर कोड

निगम और बैंक के कर्मचारी करेंगे संयुक्त सर्वे

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नगर निगम के 57 हजार घरों में डिजिटल डोर कोड लगाने के लिए निगम और बैंक के कर्मचारी संयुक्त सर्वे करेंगे। इसके बाद ही प्लेट तैयार होगा। अभी वार्डों के हिसाब से सर्वे भी कराया जा रहा है। इसी आधार पर ही मकानों को यूनिक आईडी नंबर दिया जाएगा।

निगम प्रॉपर्टी टैक्स के साथ ही अन्य टैक्स जमा करने ऑनलाइन सुविधा दी है। इसे और बेहतर बनाने के लिए डिजिटल डोर कोड लगाए जाएंगे। इसका जिम्मा अनुबंधित बैंकों को दिया गया है। निकाय चुनाव के पहले वार्डों का परिसीमन हुआ था। इस वजह से कई मकान एक दूसरे वार्ड में जुड़ गए हैं। वार्ड का नंबर भी बदल गया है। इसी वजह से मकान का सर्वे कराया जा रहा है।

डिजिटल डोर कोड प्लेट में क्यूआर कोड भी होगा। इसके अलावा यूनिक आईडी नंबर के साथ सभी तरह की जानकारी भी दर्ज रहेगी। इससे लोग घर बैठे ही क्यूआर कोड स्कैन कर टैक्स जमा कर सकेंगे। लोगों को किसी तरह की परेशानी ना हो उसके लिए सर्वे कराया जाएगा। निगम के संपदा अधिकारी अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि सर्वे के बाद ही यूनिक आईडी नंबर जारी होगा। वार्ड के हिसाब से मकान की संख्या भी निश्चित होगी। इसी वजह से निगम और बैंक दोनों के कर्मचारी सर्वे साथ में करेंगे।

एसईसीएल ने अगस्त में 102 आश्रितों को दिया रोजगार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल कंपनी के दिवंगत कर्मियों के आश्रितों को त्वरित रोजगार उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में अगस्त माह में कंपनी ने 102 आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए हैं।

अगस्त माह में सर्वाधिक 21-21 नियुक्तियाँ बैकुंठपुर और चिरमिरी क्षेत्रों में की गईं। वहीं इस वर्ष अप्रैल 2025 से अब तक कुल 182 आश्रितों को नौकरी दी जा चुकी है।

कंपनी द्वारा आश्रितों के प्रकरणों में शीघ्र कार्यवाही करते हुए जल्द से जल्द नियुक्तियाँ सुनिश्चित की जा रही हैं। कंपनी के मानव संसाधन एवं सतर्कता विभागों के संयुक्त प्रयास से रोजगार प्रक्रिया में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि आश्रितों को किसी भी प्रकार की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े और उनके प्रकरणों का त्वरित निपटारा हो सके। एसईसीएल प्रबंधन का कहना है कि आश्रितों के प्रति संवेदनशील रहते हुए त्वरित रोजगार उपलब्ध कराना कंपनी की प्राथमिकताओं में से एक है और भविष्य में भी इस दिशा में प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623